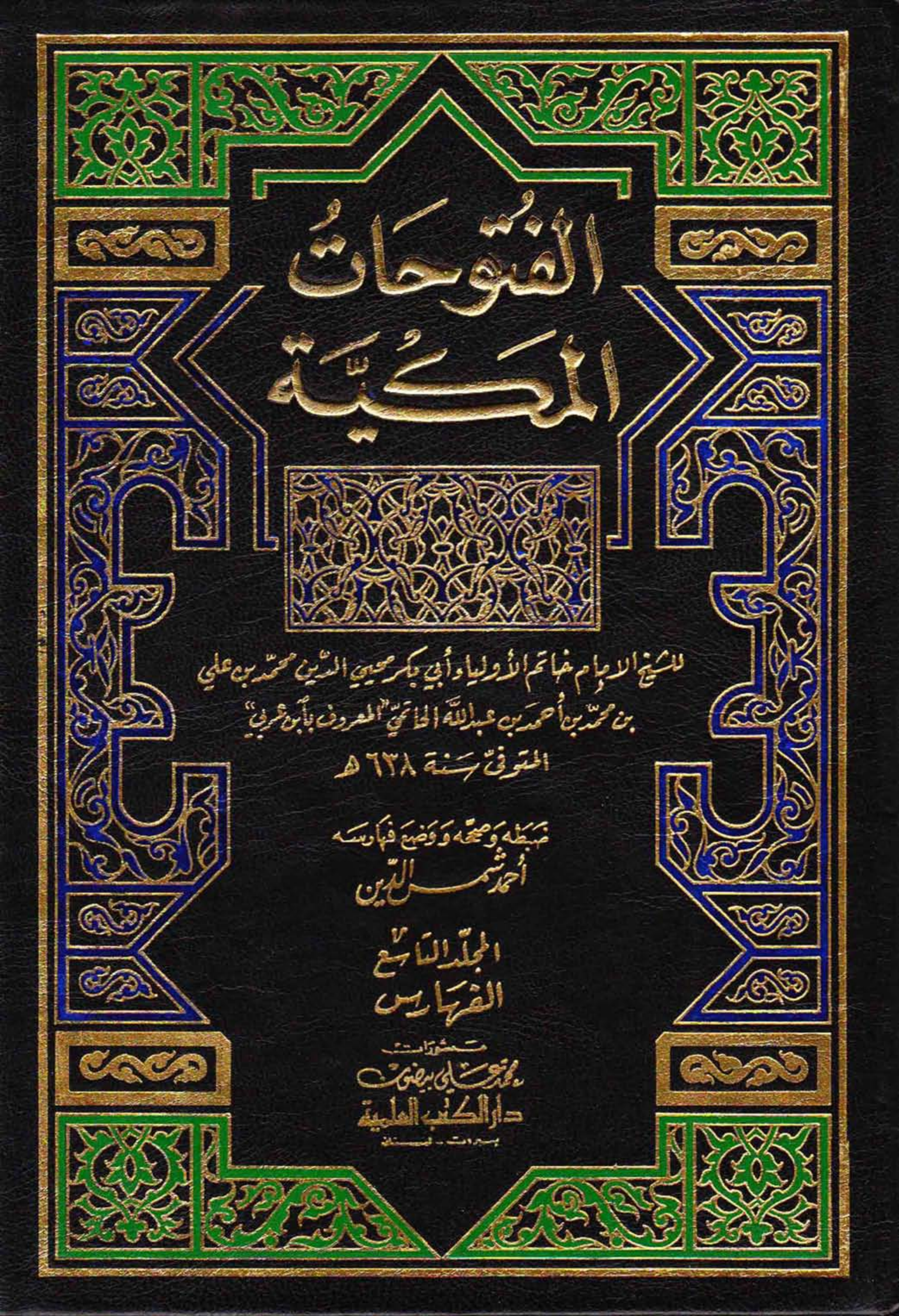

الفتوحات
المكية
للشيخ الإمام خاتم الأولياء أبي بكر محيي الدين محمد بن علي
بن محمد بن أحمد بن عبد الله الحاتمي "المعروف بابن عربي"
المتوفى سنة ٦٣٨ هـ
ضبطه وصححه ووضع فهارسه
أحمد شمس الدين
المجلد التاسع
الفهارس
منشورات
محمد علي بيضون
دار الكتب العلمية
بيروت - لبنان

# فهارس

# الفتوحات المكية

تأليف

الشيخ الإمام خاتم الأولياء أبي بكر محيي الدين
محمد بن علي بن محمد بن أحمد بن عبد الله الحاتمي
المعروف بابن عربي
المتوفى سنة ٦٣٨ هـ

ضبطه وصححه ووضع فهارسه
أحمد شمس الدين

الجزء التاسع

منشورات
محمد علي بيضون
دار الكتب العلمية
بيروت - لبنان

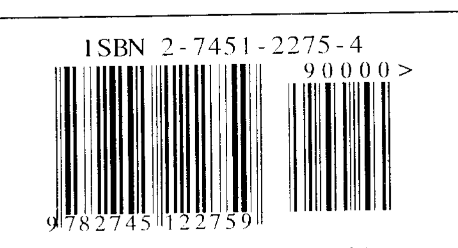
الطبعة الأولى
١٤٢٠ هـ - ١٩٩٩ م

دار الكتب العلمية
بيروت - لبنان

العنوان : رمل الظريف، شارع البحتري، بناية ملكارت
تلفون وفاكس : ٣٦٤٣٩٨ - ٣٦٦١٣٥ - ٦٠٢١٣٣ (١ ٩٦١) ٠٠
صندوق بريد: ٩٤٢٤ - ١١ بيروت - لبنان

DAR al-KOTOB al-ILMIYAH
Beirut - Lebanon
Address : Ramel al-Zarif, Bohtory st., Melkart bldg., 1st Floore.
Tel. & Fax : 00 (961 1) 60.21.33 - 36.61.35 - 36.43.98
P.O.Box : 11 - 9424 Beirut - Lebanon

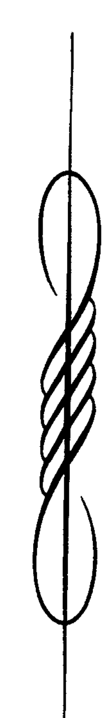



ISBN 2-7451-2275-4

http://www.al-ilmiyah.com.lb/
e-mail : sales@al-ilmiyah.com
info@al-ilmiyah.com

بسم الله الرّحمٰن الرّحيم

# المحتـــويات



# ١ ـ فهرس الآيات القرآنية

## ١ ـ سورة الفاتحة



## ٢ ـ سورة البقرة

## ٣ ـ سورة آل عمران

## ٤ ـ سورة النساء

## ٥ ـ سورة المائدة

## ٦ ـ سورة الأنعام

## ٧ ـ سورة الأعراف

## ٨ ـ سورة الأنفال

## ٩ ـ سورة التوبة

## ١٠ ـ سورة يونس

الآية [١]: (٦) ٣٤٧.
الآية [٢]: (٣) ٧٩، ١٩١، (٥) ١١١، (٦) ٢٤٣.
الآية [٥]: (١) ١٨٧، (٢) ١٧٥، (٣) ١٦٠.
الآية [٦]: (٥) ١٦٤.
الآية [١٠]: (٥) ٢٩٠، ٢٩١، (٦) ٢٤٨.
الآية [١٦]: (٦) ٢٤٩، (٧) ٦٧، (٨) ١٣.
الآية [٢٢]: (١) ٣١٦، (٢) ٢٧٢، (٣) ٣٩٤.
الآية [٢٣]: (١) ٣١٦.
الآية [٢٤]: (٥) ١٦٤.
الآية [٢٥]: (٢) ١٦٧، (٧) ٣٦٨.
الآية [٢٦]: (٣) ٥٣٦، (٤) ٧٧، (٥) ٢٧٢، (٦) ١٦٥، ٣٥٣، ٣٥٥، (٧) ٢٦٥، (٧) ٣٥، (٨) ١٣٧، ٢٣٧.
الآية [٣٢]: (٣) ١٤٢، (٤) ٣٠٨، (٧) ٢٠٣، ٤٠٩، (٨) ٢٧١.
الآية [٣٨]: (١) ٦١، (٣) ١٩٠.
الآية [٤٤]: (٤) ٧٥، (٦) ٢٥١.
الآية [٤٩]: (٥) ٤٢٥، (٦) ٢٥١، (٨) ٢١٠.
الآية [٥٣]: (٧) ١٣٢.
الآية [٥٥]: (٧) ١٨١.
الآية [٥٨]: (٣) ٢٨٠، (٦) ٢٥٠، (٧) ١٨٨.
الآية [٦٠]: (٤) ٧٢.
الآية [٦١]: (٧) ٢٥٦، ٢٥٧، (٨) ١٨٠.
الآية [٦٢]: (٣) ٣٧، (٤) ٤٧٦، (٨) ٣٧٣.
الآيتان [٦٣، ٦٤]: (٣) ٣٧، ٢١٨، ٣١٧، (٤) ٢٤٥، ٢٨٨، ٣٢٢، ٣٥١، ٤٢٣، (٥) ٨، ٢٨٣، ٣٧٧، (٦) ٣٥، (٧) ٧، ٧٨، ١٨١.
الآية [٦٧]: (٧) ١٥٦.
الآية [٧٢]: (٢) ٢٧٤، (٣) ٢٧٠، (٤) ٣٢٥، (٥) ٩٣، ١٧٨.
الآية [٨٤]: (٣) ٣٠١.
الآية [٩٠]: (٣) ٤١٥، (٤) ٥٨، (٥) ١٣٢.
الآية [٩١]: (٤) ٥٩، (٦) ٣٤٦.
الآيتان [٩١، ٩٢]: (٣) ٤١٥.
الآية [٩٢]: (٣) ٤١٥، ٤١٦، (٤) ٥٩، (٥) ٢٤٣.
الآية [٩٤]: (٣) ٢٠٦، (٤) ٥٩.
الآية [٩٨]: (٤) ٦٦، (٦) ٣٧، ١٣١.
الآية [١٠٩]: (٦) ٢٥٠.

## ١١ ـ سورة هود

الآية [١]: (٦) ٢٣٢.
الآية [٣]: (٧) ٣٦٠.
الآية [٦]: (٢) ٢١٢، (٤) ١٣٨، (٦) ١٦٩.
الآية [٧]: (١) ٢٠٥، ٣٩٢، (٣) ٣٢٩، (٤) ٣٧٨، (٥) ١٠، ٩٥، ٩٦، ٩٧، (٨) ٣٠٣.
الآية [١٣]: (٧) ٢٠٣.
الآية [١٤]: (٤) ٥٩.
الآية [١٥]: (٧) ١٧٨.
الآية [١٧]: (١) ٢١١، ٣٠١، (٢) ٣٣٦، (٣) ٨٢، (٤) ١٤، ٢٩٤، (٦) ٢٣٥.
الآية [١٨]: (٨) ٢٩١.
الآية [٢٩]: (٢) ٣٨، ٤٣٠، (٧) ٣٤.
الآية [٣٤]: (٤) ٢١٠، (٧) ٤٢، (٨) ٢١.
الآية [٣٨]: (٤) ٢٤٧، ٤٦٣، (٨) ٢٨٩.
الآية [٤٠]: (٢) ١٧١.
الآية [٤١]: (١) ١٥٩، ٤٠٧.
الآية [٤٤]: (٥) ١٤١.

## ١٢ ـ سورة يوسف

## ١٣ ـ سورة الرعد



## ١٤ ـ سورة إبراهيم

## ١٥ ـ سورة الحجر

## ١٦ ـ سورة النحل

## ١٧ ـ سورة الإسراء

## ١٨ ـ سورة الكهف

## ١٩ ـ سورة مريم

## ٢٠ ـ سورة طٰه

## ٢١ ـ سورة الأنبياء

## ٢٢ ـ سورة الحج

## ٢٣ ـ سورة المؤمنون



## ٢٤ ـ سورة النور

## ٢٥ ـ سورة الفرقان



## ٢٦ ـ سورة الشعراء

## ٢٧ ـ سورة النمل



## ٢٨ ـ سورة القصص

## ٢٩ ـ سورة العنكبوت

## ٣٣ ـ سورة الأحزاب

## ٣٤ ـ سورة سبأ



## ٣٥ ـ سورة فاطر

## ٣٨ ـ سورة صٓ

## ٣٩ ـ سورة الزّمر



## ٤٠ ـ سورة غافر

## ٤١ ـ سورة فصّلت

## ٤٢ ـ سورة الشّورى

## ٤٣ ـ سورة الزخرف

## ٤٩ ـ سورة الحجرات



## ٥٠ ـ سورة قَ

## ٥١ ـ سورة الذاريات



## ٥٢ ـ سورة الطّور



## ٥٣ ـ سورة النجم

## ٥٤ ـ سورة القمر



## ٥٥ ـ سورة الرحمٰن

## ٥٦ ـ سورة الواقعة

## ٥٧ ـ سورة الحديد



## ٥٨ ـ سورة المجادلة

## ٧٠ ـ سورة المعارج



## ٧١ ـ سورة نوح



## ٧٢ ـ سورة الجن



## ٧٣ ـ سورة المزّمّل

## ٨٨ ـ سورة الغاشية



## ٨٩ ـ سورة الفجر



## ٩٠ ـ سورة البلد



## ٩١ ـ سورة الشمس



## ٩٢ ـ سورة الليل



## ٩٣ ـ سورة الضحى

## ٩٤ ـ سورة الشرح



## ٩٥ ـ سورة التين



## ٩٦ ـ سورة العلق



## ٩٧ ـ سورة القدر



## ٩٨ ـ سورة البيّنة



## ٩٩ ـ سورة الزلزلة



## ١٠٠ ـ سورة العاديات



## ١٠١ ـ سورة القارعة

# ٢ ـ فهرس الأحاديث القولية

## (ب)

(د)



(ذ)



(ر)

(ص)



(ض)



(ط)



(ظ)

## (ق)

## (ل)

(م)

(و)

# ٣ - فهرس الأحاديث الفعلية

## (ل)

(م)



(ن)

(هـ)



(و)

# ٤ ـ فهرس الأحاديث القدسية

(ل)



(م)

# ٥ ـ فهرس الأشعار للمؤلّف

## أ ـ القوافي

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| | | **قافية الألف اللينة** | | |
| إذا ما | أتاها | الوافر | ٥٦ | (٤) ٤٣٧ ـ ٤٣٩ |
| إذا تجلّى | أراهُ | المجتث | ٢ | (١) ٤٦٠ |
| قلوب | تراهُ | الوافر | ٤ | (٤) ٢٨ |
| فالحقّ | تراهُ | الكامل | ٣ | (٧) ٢٠٨ |
| إن البصير | تراهُ | مخلع البسيط | ٣ | (٧) ٣٤٣ |
| فما في | دَرَاهُ | الوافر | ٣ | (٧) ١٨١ |
| إنّ الإله | نغشاهُ | الكامل | ٥ | (٨) ٢٠٧ |
| ألم تر | الأقصى | الطويل | ١٢ | (٦) ٧٣ |
| تبصّرْ | والذكا | الطويل | ٢٨ | (١) ٤٩٧، ٤٩٨ |
| عجبتُ | وأبلاها | الطويل | ٨ | (٥) ٩٥ |
| إن الوليّ | ولاّهْ | البسيط | ٥ | (٧) ٤١٥ |
| وكم | والعَنَا | الطويل | ١٧ | (٢) ١٤، ١٥ |
| كيف | معناهُ | البسيط | ٤ | (٦) ٢٥٣ |
| تركُ | معناها | البسيط | ٣ | (٣) ٣٥٣ |
| إن التي | معناها | الكامل | ٥ | (٦) ٣٣ |
| من يشتهي | اشتهاهُ | مخلع البسيط | ٤ | (٥) ٣٢٨ |
| بين | النُّهَى | مجزوء الكامل | ٦ | (٥) ١٩٥ |
| صحبةُ | سواهْ | الرمل | ٥ | (٧) ٣٩١ |
| فعنديّةُ | سواهْ | المتقارب | ٥ | (٧) ١٥٩ |
| ألا إنّ | القصوى | الطويل | ٣ | (٦) ٢٧٠ |
| هوى | الهوى | الطويل | ٤ | (٥) ١٨٨ |
| الشطح | الهوى | الكامل | ٢ | (٤) ٢٤ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| وحقّ | الهَوَى | الطويل | ١ | (٥) ١٧٣، (٧) ٣٠٤ |

## قافية الهمزة

### الهمزة الساكنة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| ليس | عطاءْ | مجزوء المديد | ٤ | (٤) ١٢٥ |

### الهمزة المضمومة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| فإذا | الجزاءُ | الخفيف | ١ | (٤) ٥٥ |
| إذا أفناك | خفاءُ | الوافر | ٣ | (٤) ٢٤٨ |
| أنا عند | البقاءُ | الوافر | ٥ | (٧) ١٥٨ |
| فللقمر | والبقاءُ | الوافر | ٧ | (٧) ٢٩٢ |
| وما لها | شقاءُ | منهوك البسيط | ١ | (٧) ٤١٠ |
| فبها | الشقاءُ | الخفيف | ٣ | (٦) ٣٧٨ |
| طابت | والأسماءُ | الكامل | ٢ | (٧) ٣٨٧ |
| الذكر | وأسماءُ | البسيط | ٣ | (٣) ٣٤٤ |
| إن الكلام | وإيماءُ | البسيط | ٥ | (٣) ٢٧٢ |
| منازلُ | انتهاءُ | السريع | ٨ | (٤) ٣٢٩ |
| ومن يُسلم | انتهاءُ | الوافر | ٦ | (٧) ١٧٤ |
| يميتُ | أحياءُ | البسيط | ٤ | (٨) ٨ |
| فقد بان | كبرياؤُه | الطويل | ٧ | (٧) ٣٦١ |
| إن السماء | ضياؤُها | الكامل | ٤ | (١) ٤٤٨ |
| فمن | الجزءُ | الطويل | ٧ | (٧) ٣٧٤ |

### الهمزة المكسورة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| أدب | الأدباءِ | الكامل | ٤ | (٤) ١٦٥ |
| لولا | بأنبائِه | البسيط | ٦ | (٤) ١٦٨ |
| ناداني | الهجاءِ | مخلع البسيط | ٤ | (٢) ٣٦٥، ٣٦٦ |
| فنحن | مراءِ | مخلع البسيط | ٣ | (٧) ٤١٣ |
| فأسبل | بالمرائي | مخلع البسيط | ٥ | (٧) ٣١٧ |
| لما رأوا | البيضاءِ | الكامل | ١ | (٥) ٤١٠ |
| إذا حزنا | الوعاءِ | الوافر | ٢ | (٧) ٣٦١ |
| إن الحكيم | والأسماءِ | الكامل | ٥ | (٣) ٤٠٥ |
| يا منزل | الأسماءِ | الكامل | ١٢ | (١) ١٦، ١٧ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| بالمال | والسماءِ | مخلع البسيط | ٥ | (٤) ٣٨٣، ٣٨٤ |
| بالمال | والسماءِ | مخلع البسيط | ٦ | (٥) ٢٨ |
| إذا صُعق | ظلمائِه | المتقارب | ٧ | (٥) ٣١٢ |
| لما انتهى | الأمناءِ | الكامل | ١١٧ | (١) ١٠ ـ ٢٤ |
| رأيتُ | سوائي | الوافر | ٣ | (٦) ٣٦٩ |
| تنزَّهْ | بالسواءِ | الوافر | ٧ | (٤) ٤٦٥ |
| نكون | السواءِ | الوافر | ٥ | (٦) ٣٥٣ |
| فمنهم | الهواءِ | الوافر | ٥ | (٢) ٥٤٧، ٥٤٨ |
| الحكمُ | الأشياءِ | الكامل | ٤ | (٢) ٣٤٢ |

## قافية الباء

### الباء الساكنة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| من رأى | حجابْ | الرمل | ٤ | (٧) ٢٧، ٢٨ |
| حجاب | الحجابْ | الوافر | ٤ | (٧) ٦٣ |
| كلّ من | خابْ | الرمل | ٧ | (٧) ٢٦٩ |
| صحبةُ | السببْ | مجزوء الخفيف | ٥ | (٣) ٤٣١ |
| ليس | فوجبْ | الرمل | ٧ | (٧) ٨٢' |
| لا تطع | واقتربْ | الكامل | ٣ | (٧) ٢٧٧ |
| فبها | نسبْ | الرمل | ٢ | (٦) ٣٧٨ |
| حضرةُ | نصبْ | الخفيف | ٨ | (٧) ٤٠٠ |
| فما الجبر | منقلبْ | الطويل | ٤ | (٧) ٧٨ |
| مشاهدة | القلوبْ | المتقارب | ٣ | (٤) ٢٩٣، ٢٩٤ |
| فانظروا | عجيبْ | الرمل | ٦ | (٧) ٤٥ |
| فيا شعيب | وغَيْبْ | مخلع البسيط | ٢ | (٧) ١٢٩ |

### الباء المفتوحة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| توبةُ | تائبًا | مجزوء الخفيف | ٧ | (٨) ٢٧ |
| جزاء | تأبّا | مخلع البسيط | ٥ | (٣) ٢٣٢، ٢٣٣ |
| إن التوكل | والأبوابا | الكامل | ٥ | (٦) ٦٩ |
| سَرَى | فعاتَبَهْ | الكامل | ٥ | (٨) ٦٤ |
| فيا طاعتي | مجتبَى | الطويل | ١ | (٣) ٢١٢ |
| إن التصوف | عجبا | البسيط | ٦ | (٣) ٤٠٠ |
| وأهدى | تقرُبا | الطويل | ١ | (٢) ١٣٣ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إن الظهور | غلبا | البسيط | ٥ | (٨) ٢٢ |

## الباء المضمومة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إذا ما | المستنابُ | الوافر | ٤ | (٦) ٣١ |
| اللّه | يحجبُه | البسيط | ٤ | (٨) ٢٠٧ |
| في الصاد | يحجبُه | البسيط | ٣ | (١) ١١٣ |
| ما أعجبَ | أعجبُ | السريع | ١٠ | (٣) ٣٦٧ |
| تعجبتُ | تعجبوا | المتقارب | ٤ | (٣) ٤٩٨، ٤٩٩ |
| إنّ المعزّ | صاحبُه | البسيط | ٢ | (٧) ٣٣٦ |
| من كان | وتسحبُه | البسيط | ٢ | (٨) ٢٢٦ |
| زمان | واشربوا | المتقارب | ١ | (٣) ٤٩٨ |
| إذا جاء | مشربُ | الطويل | ٩ | (٣) ٢٠١ |
| فيا مَنْ | قربُ | مجزوء الوافر | ٦ | (٨) ٣٦ |
| ومن يتوكل | حَسْبُه | المتقارب | ٣ | (٧) ٢٢٦ |
| فخُذْ | يصعبُ | الطويل | ٢ | (٧) ٢٧٥ |
| إلى اللّه | أرغبُ | المتقارب | ٤ | (٧) ٢٠٨ |
| الحال | طلبُ | البسيط | ٦ | (٤) ٢٠ |
| إن المقام | والطلبُ | البسيط | ٥ | (٤) ٢٢ |
| من ليس | تطلبُه | البسيط | ٤ | (٣) ٣٤٢، ٣٤٣ |
| مراتب | تطلبُها | البسيط | ٦ | (١) ٤٧٨ |
| اللّه | وتطلبُها | البسيط | ٣ | (٧) ١٣٣ |
| فله | والقلبُ | مجزوء الرمل | ١٥ | (٧) ٣٩٩، ٤٠٠ |
| هل | زينبُ | السريع | ٢ | (٤) ٣٤ |
| لا تحكمنّ | واهبُه | البسيط | ٦ | (١) ٤٣١ |
| إنّما | مذهبُ | مجزوء الخفيف | ٥ | (٨) ٣٣ |
| واحدٌ | مذهبُ | الرمل | ٣ | (٦) ٢٧٢ |
| تعجبتُ | مذهبُ | المتقارب | ٤ | (٣) ٤٩٨ |
| فكلّ | وترتيبُ | البسيط | ٢ | (٧) ٣٩٧ |
| فقد | الثيّبُ | المتقارب | ١ | (٣) ٤٩٩ |
| أضف | أديبُ | الكامل | ٥ | (٣) ٤٣٠ |
| ناشدتكَ | الطيّبُ | السريع | ٤ | (٤) ٣٢، ٣٣ |
| كُنْ | رقيبُ | الخفيف | ٣ | (٣) ٣١٣ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| | | **الباء المكسورة** | | |
| أداء | غائبِ | المتقارب | ٣ | (٥) ٣٢٨ |
| اتّقوا | تبابِ | الخفيف | ٥ | (٧) ٢٤٠ |
| شكور | الكتابِ | الوافر | ٤ | (٧) ٣٥٥ |
| وضعُ | الكتابِ | مخلع البسيط | ٥ | (٦) ٢٣، ٢٤ |
| غروب | الترابِ | الوافر | ٣ | (٨) ٢١٩ |
| ما لمجنون | والاغترابِ | الخفيف | ٣ | (٣) ٥٠٦ |
| نفيُ | الأحزابِ | الكامل | ٥ | (٤) ٢٣ |
| الاكتساب | الأكسابِ | الكامل | ٦ | (٨) ٢٠٧ |
| فينطقُ | الخطابِ | الوافر | ٢ | (٦) ٣٦٣ |
| عذبُ | ما بي | الكامل | ٢ | (٨) ٢٠٦ |
| الحكم | للسببِ | البسيط | ٥ | (٧) ١٠٢ |
| والعينُ | للسببِ | البسيط | ١ | (٦) ٣٣٣ |
| الصحو | والسببِ | البسيط | ٤ | (٤) ٢٦٢ |
| كلّ | الحجبِ | المديد | ٧ | (١) ٣٣٧ |
| إذا كان | ومصاحبي | الطويل | ٥ | (٨) ٣٩ |
| أنبياء | بالأدبِ | الرمل | ٦ | (٧) ٨٥ |
| ما الدين | والأدبِ | البسيط | ٧ | (٧) ٣٩٦ |
| خشوع | تأدّبِ | الطويل | ١ | (٤) ٢١٠ |
| فإنْ | تكذّبِ | الطويل | ١ | (٦) ٣٦٣ |
| اركن | الحَرَبِ | البسيط | ٦ | (٧) ٢٧٠ |
| النار | والعطبِ | البسيط | ٣ | (٦) ١٣٥ |
| مخضرةٌ | تعبِ | البسيط | ٦ | (٧) ٣٤٨ |
| من غالبَ | تعبِ | البسيط | ٦ | (٧) ٤ |
| إن الحياء | فبِهِ | البسيط | ٤ | (٣) ٣٣٧ |
| تنزّلت | القلبِ | الطويل | ٣ | (١) ٣٥٨ |
| تنزّلت | القُلْبِ | الطويل | ١١ | (٣) ٣٩٠ |
| بخلّة | فأكرمْ بِهْ | السريع | ٣ | (٣) ٥٤٢ |
| من يذكر | جُنُبِ | البسيط | ٥ | (٤) ٢١٣ |
| فصار | ذنبِ | مخلع البسيط | ١ | (٣) ١٥٢ |
| إن البروج | الشهبِ | البسيط | ١٠ | (٥) ٥٥ |
| صلاة | بالحبيبِ | الوافر | ١ | (٤) ٣٦٦ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| صلاة | بالحبيبِ | الوافر | ٤ | (٤) ٣٦٥ |
| تناجيني | الغريبِ | الوافر | ٦ | (٤) ٣٨٥ |
| ولما | غيبي | الطويل | ٥ | (١) ٧٩، ٨٠ |
| فالحسُّ | يرمي بِهْ | البسيط | ٣ | (٧) ١٠٤ |

## قافية التاء

### التاء الساكنة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| ولولا | رأتْها | الوافر | ٥ | (١) ٢٩١ |
| ألفُ | النخراتْ | الرمل | ٣ | (١) ١٢١ |
| الربُّ | الثابتْ | البسيط | ٣ | (٧) ٢٩١ |
| فالجحد | خبثْ | الكامل | ٢ | (٦) ١٤٦ |
| إنّ النفوس | اكتسبتْ | البسيط | ٢ | (٥) ١٨٢ |
| إنّ العوالم | وُجدتْ | البسيط | ٣ | (٥) ١٥٨ |
| فلولاها | كانتْ | الهزج | ٣ | (٣) ١٠٥ |
| إنّ الزكاة | هانَتْ | البسيط | ٢ | (٨) ٢٢٤ |
| فالعينُ | والثبوتْ | المجتث | ٧ | (٧) ٤١١ |
| من أراد | والملكوتْ | المديد | ٧ | (٦) ٣٧١ |

### التاء المفتوحة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| المقت | فاتا | البسيط | ٢ | (٨) ٢٢٧ |
| إن المسعّر | والأوقاتا | الكامل | ٤ | (٧) ٣٩٧ |
| بروجُ | أمواتَها | المتقارب | ٤ | (٧) ٣٦٤ |
| إذا عصى | طريقَتَه | البسيط | ٧ | (٥) ١٠٧ |
| فالنفي | عقلتا | مخلع البسيط | ٤ | (٨) ٣٩ |
| جعلتَ | عملتا | مخلع البسيط | ٣ | (٨) ٢٩١ |
| إن الجميل | قيمتَه | البسيط | ٢ | (٧) ٣٩٥ |
| رأيتُ | أَنْتَا | مخلع البسيط | ١ | (٢) ٢٩٠ |
| فلو | أنتا | مخلع البسيط | ٨ | (٤) ٤٦ |
| فهكذا | أنتا | مخلع البسيط | ٦ | (٧) ٣٨٢، ٣٨٣ |
| إذا ما | وأنتا | الوافر | ١٥ | (٧) ٥٨، ٥٩ |
| ظهرت | كُنْتَه | الكامل | ١ | (١) ٩٥ |
| كلامي | رميتا | الوافر | ٧ | (٧) ٧٥ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| | | **التاء المضمومة** | | |
| فكلّ | ثباتُ | مخلع البسيط | ١ | (٤) ٢٦٤ |
| ألا إنّ | الشتاتُ | الوافر | ٥ | (٧) ٣٨٠، ٣٨١ |
| فكلّ | ولذّاتُ | الطويل | ٤ | (٧) ٤٠٢ |
| إنّ الرضيّ | مرضاتُه | البسيط | ٢ | (٨) ٢١٦ |
| للشمس | ماتُوا | البسيط | ٤ | (٥) ٢٠ |
| للّه | ماتوا | البسيط | ١١ | (٨) ١٦٢ |
| لا تحقرنّ | المقاماتُ | البسيط | ٥ | (٦) ٣٣٦، ٣٣٧ |
| تَرْكُ | آياتُ | البسيط | ٥ | (٣) ٣٢١ |
| من كان | آياتُ | البسيط | ٥ | (٧) ١٣٠ |
| فكم | مشيئتُه | الطويل | ٣ | (٦) ١٣٩ |
| إذا ثبت | الثابتُ | المتقارب | ١١ | (٧) ٩٤ |
| ساعد | تغيبُ | الخفيف | ٤ | (٤) ٢٩٣ |
| إن الغنى | رُتبتُها | البسيط | ٦ | (٣) ٣٩٨ |
| فلم | أثبتوا | المتقارب | ١ | (٤) ٢١١ |
| ثبوتُ | نَبْتُ | الوافر | ٢ | (٥) ٤٢٢ |
| فما ثَمّ | وإرادتُه | الطويل | ١ | (٦) ١٨ |
| فيدُ | آخذةُ | المديد | ٥ | (٢) ٢٩٢ |
| حيرةُ | غيرةُ | مجزوء الخفيف | ١ | (٢) ٤٩٠ |
| طفتُ | رجعتُ | الخفيف | ٥ | (٢) ٤٧٥ |
| علمتُ | فهمتُ | مجزوء الوافر | ٩ | (٧) ١٠٧، ١٠٨ |
| من مال | قيمتُهُ | البسيط | ٢ | (٨) ٢١٩ |
| فيا حيرة | تفوتُه | الطويل | ٣ | (٦) ٣٦٢ |
| | | **التاء المكسورة** | | |
| محاضرة | الآتي | المديد | ٣ | (٤) ٢٧٨ |
| لو فاتنا | الفائتِ | البسيط | ٤ | (٤) ١٦٣ |
| حَقِّق | لإثباتِ | البسيط | ٣ | (٥) ١٣٠ |
| الحقّ | وإثباتِ | البسيط | ٤ | (٧) ٤٠٩ |
| عينُ | الهباتِ | البسيط | ١٥ | (٧) ٤٠٠، ٤٠١ |
| أنا | فتاتي | مخلع البسيط | ١ | (٤) ٢٩ |
| يرفع | درجاتِ | الخفيف | ٤ | (٧) ٣٣٣ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| فما ثَمَّ | الوحداتِ | الطويل | ١ | (٣) ٤٢٦ |
| العلم | ذاتِه | الكامل | ٤ | (١) ٣٨٢ |
| فللّه | ذاتِه | الطويل | ٢ | (٦) ١٤٤ |
| فكلّ | ذاتِها | السريع | ٣ | (٤) ٩٣ |
| إنّ العروج | الذاتِ | الكامل | ٤ | (٦) ٩٢ |
| منازل | ولذّاتي | البسيط | ٣ | (١) ٢٧٢ |
| حضرةُ | الفتراتِ | الرمل | ٢ | (٧) ٣٩٩ |
| فازت | نشأتِها | الرمل | ٦ | (٧) ١٧٥ |
| ألا إنّما | صفاتِهِ | الطويل | ٥ | (٨) ٣٥ |
| فسبحان | بصفاتِه | الطويل | ١ | (٤) ١٩٦ |
| لولا | بالحركاتِ | الكامل | ١٤ | (٧) ٢١٥، ٢١٦ |
| بعض | المقاماتِ | البسيط | ٧ | (٣) ٥٥٢ |
| حركات | الكلماتِ | الخفيف | ٥ | (١) ١٣٢ |
| زهر | السمواتِ | البسيط | ٩ | (٤) ٤٧١ |
| الميم | والبداياتِ | البسيط | ٣ | (١) ١١٨ |
| إن الفرائض | غاياتِها | الكامل | ٣ | (٣) ٢٥٢ |
| أنا ابن | عنصريّاتِ | البسيط | ٩ | (١) ٢١٢ |
| بَرَا | صورتِه | الرمل | ٢ | (٧) ٣١١ |
| منزل | صورتِه | الرمل | ٨ | (٤) ٣٤٧ |
| إنّي | بصورتِه | البسيط | ٢ | (٦) ٣٤ |
| يا أيها | بزّتِه | السريع | ٢ | (٨) ٢١٨ |
| رجعةُ | خسّتِه | الرمل | ٦ | (٨) ١٧٩ |
| فما استوى | بنعمتِه | منهوك البسيط | ٢ | (٧) ٤٠٢ |
| ألفةُ | الّتي | مجزوء الخفيف | ٥ | (٨) ١٥٠ |
| ما ثَمَّ | جملتي | السريع | ٣ | (٢) ٤٩٠ |
| إن القناعة | لخدمتِه | البسيط | ٣ | (٣) ٢٩٧ |
| تنسّمتُ | فنَمَّتِ | الطويل | ٦ | (٥) ٤١، ٤٢ |
| يستتر | جُنّتِهْ | السريع | ٢ | (٨) ٢١٨ |
| في الضادِ | جبروتِه | الكامل | ٣ | (١) ١٠٩ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| | | **قافية الثاء** | | |
| | | **الثاء الساكنة** | | |
| كلّ مَنْ | حَنَثْ | الرمل | ١٣ | (٥) ٥٠ |
| كلّ ما | حدوث | الرمل | ٦ | (٧) ١٩٠، ١٩١ |
| | | **الثاء المفتوحة** | | |
| انظر | المحدثا | الكامل | ٤ | (١) ٢٠ |
| أنبياء | بعثَهْ | الرمل | ٥ | (١) ٢٢٩ |
| | | **الثاء المضمومة** | | |
| فما ثَمَّ | ثالثُ | الطويل | ٢ | (٦) ٣٠١ |
| | | **الثاء المكسورة** | | |
| عجباً | الأجداثِ | الكامل | ٢ | (٨) ٢٣١ |
| | | **قافية الجيم** | | |
| | | **الجيم الساكنة** | | |
| كلّ ما | الحِجاجْ | الرمل | ٤ | (٦) ١١٤ |
| إذا شئتَ | درجْ | المتقارب | ٣ | (٨) ٢٢٠ |
| فشفعه | مندرجْ | السريع | ٧ | (٧) ١٢٩، ١٣٠ |
| جعل | فروجْ | الخفيف | ٤ | (٧) ٣٦٩ |
| | | **الجيم المفتوحة** | | |
| لا تركننّ | رَجا | الكامل | ٢ | (٣) ٢٧٩ |
| إنّما | ويُرْجَى | الخفيف | ٦ | (٥) ٣٥٧، ٣٥٨ |
| وكان | مَوجَا | مخلع البسيط | ٣ | (٨) ٣٤ |
| | | **الجيم المضمومة** | | |
| فالعقل | مخرجُه | البسيط | ٢ | (٦) ١٠٦ |
| إن الشريعة | درجوا | البسيط | ٣ | (٤) ٢٨٦ |
| فتدلّيه | عروجُ | مجزوء الرمل | ٥ | (٦) ٣٦١ |
| له | عروجُ | مخلع البسيط | ٥ | (٧) ٢٦٦ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| | | **الجيم المكسورة** | | |
| إنّ القوي | حرجِ | البسيط | ٧ | (٧) ٧٧، ٧٨ |
| إنّ السحاب | تزجيها | البسيط | ١ | (٨) ١٦٤ |
| إنّ المذلّ | خروجِه | الكامل | ٢ | (٧) ٣٣٨ |
| | | **قافية الحاء** | | |
| | | **الحاء الساكنة** | | |
| أوص | رابحْ | المجتث | ٦ | (٨) ٦١ |
| | | **الحاء المفتوحة** | | |
| لآكلنّ | والفتحا | السريع | ٩ | (٥) ٤٠٠ |
| من عَامَلَ | سَمَحَا | البسيط | ٧ | (٥) ١٠٩ |
| | | **الحاء المضمومة** | | |
| إن الحياء | فتّاحُ | البسيط | ٣ | (٧) ٣٨٥ |
| فعزٌ | اصطلاحُ | الوافر | ٦ | (٦) ١٣٤ |
| لا تفرحنّ | والأرواحُ | الكامل | ٥ | (٣) ٢٣١ |
| الحجرُ | لمسرَّحُ | الكامل | ٤ | (٥) ٢٢٣، ٢٢٤ |
| فالعلم | وأوضحُه | البسيط | ٣ | (٦) ٢٣٥ |
| ما لأرض | تنكحُها | المديد | ٩ | (٥) ٣٦٥ |
| الشخص | مفتوحُ | البسيط | ١٢ | (٧) ١٦٥ |
| بالقول | مشروحُ | البسيط | ٧ | (٤) ٤١٦ |
| | | **الحاء المكسورة** | | |
| إن النبوة | وأشباحِ | البسيط | ٣ | (٣) ٣٨٣ |
| يا مريم | روحِ | البسيط | ٤ | (٦) ٣٠٥ |
| العبد | والروحِ | البسيط | ٧ | (١) ٣٣٠ |
| هلاك | اللوحِ | الهزج | ٥ | (٤) ٣١٧ |
| أقول | نُوحِ | الوافر | ١٢ | (٥) ٧٢، ٧٣ |
| أنا ختم | المسيحِ | الوافر | ٧ | (١) ٣٧٠ |

## الدال المضمومة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إذا سمعتَ | الأحدُ | البسيط | ٤ | (٤) ٢١٧ |
| من لا | الأحدُ | البسيط | ٤ | (٣) ٢٧٣ |
| فكلّهم | وجاحدُ | الطويل | ١ | (٤) ١٠٣ |
| العلمُ | واحدُ | السريع | ٣ | (١) ١٤٢ |
| في كلّ | الواحدُ | الكامل | ١ | (٥) ٦٠ |
| إذا صحّتْ | نتّحدُ | مجزوء الوافر | ١ | (٢) ١٧٥ |
| إذا دلّ | الجحدُ | الطويل | ٥ | (٨) ١١ |
| إنّ الدعاء | يجحدُ | الكامل | ٥ | (٧) ٢٦٠، ٢٦١ |
| قلبي | عددُ | البسيط | ٦ | (٧) ٥١، ٥٢ |
| فلولا | الفردُ | الطويل | ٤ | (٥) ٣٢٤ |
| تفرّدتُ | مفردُ | المتقارب | ٥ | (٧) ٤٠٤، ٤٠٥ |
| دميةٌ | جسدُ | المديد | ١١ | (٣) ٤٣٤ |
| كلامي | ضدُّ | الوافر | ٥ | (٧) ٧٣ |
| إنّ الخليفة | تعضّدُه | البسيط | ٤ | (٧) ٦ |
| فرحمةٌ | معدُّ | مخلع البسيط | ٥ | (٧) ٢٩٥ |
| فلا حرّ | والوعدُ | الهزج | ٢ | (٤) ١٩٦ |
| لو وجدنا | نستردُه | الرمل | ٨ | (٦) ١٧٨ |
| عَقَدَ | اعتقدُوه | الكامل | ٩ | (٥) ١٩٦ |
| اللّه | الصمدُ | البسيط | ٥ | (٣) ٤٨٢ |
| نَفَسٌ | مستندُ | المديد | ٦ | (١) ٤٠٢، ٤٠٣ |
| تعدّدت | شاهدُ | الطويل | ٢ | (٦) ٣٩٥ |
| الزهد | أزهدُ | الكامل | ٣ | (٣) ٢٦٦، ٢٦٧ |
| مِن حالة | تشهدُ | السريع | ٥ | (٥) ٣٣٤ |
| لولا | تشهدُه | البسيط | ٥ | (٤) ١٦٩ |
| والعينُ | معبودُ | البسيط | ١ | (٤) ١٦٩ |
| خلوتُ | وجودُها | الطويل | ٣ | (٣) ٢٢٥ |
| بتوحيد | الوجودُ | الوافر | ٣ | (٧) ١٥٦ |
| خالفْ | المقصودُ | الكامل | ٣ | (٣) ٢٩٢ |
| لمّا علمتُ | ومقصودُ | البسيط | ٧ | (٥) ٣٦٢، ٣٦٣ |
| أنتَ | محمودُ | البسيط | ٥ | (٨) ٣ |
| مثليّةٌ | شهودُ | مخلع البسيط | ٧ | (٧) ١٩٩، ٢٠٠ |
| فلولا | الشهودُ | الوافر | ١ | (٣) ٣٣٦ |
| الدينُ | شديدُ | الكامل | ٣ | (٨) ٢٣٢ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| ما سمّي | اللّدِ | البسيط | ٦ | (٨) ١٤٣ |
| الشكر | الجسدِ | البسيط | ٣ | (٣) ٣٠٤ |
| فهذا | الرشدِ | مجزوء الوافر | ٢ | (٦) ١٨ |
| من المزاج | الرشدِ | البسيط | ٥ | (٧) ١٧١ |
| إنّي | والرفدِ | البسيط | ٢ | (٨) ٢٣٠ |
| منتهى | العقدِ | المديد | ٥ | (٧) ١١٣ |
| إنّ الحياة | خَلَدي | البسيط | ٥ | (٨) ١٠ |
| الذال | خلدي | البسيط | ٣ | (١) ١١٦ |
| إذا اعتزلتَ | ولدِ | البسيط | ٥ | (٣) ٢٢٩ |
| الفقرُ | ولدِ | البسيط | ٦ | (٣) ٣٩٦ |
| إذا ذكرتني | محمدِ | الكامل | ٣ | (٧) ٢٢٥ |
| إن اليقين | الصمدِ | البسيط | ٣ | (٣) ٣٠٧ |
| ألجأتُ | والصّمدِ | البسيط | ٥ | (٨) ١٥ |
| قلتُ | عندي | الخفيف | ٦ | (٤) ٣٥٩ |
| أنا وارث | والودِّ | الطويل | ٥ | (٨) ٤٨ |
| نونُ | معبودِها | الكامل | ٣ | (١) ١١٢ |
| أوقفني | وجودي | مخلع البسيط | ٦ | (٦) ١٥٧ |
| إذا صحّت | الوجودِ | الوافر | ٥ | (٦) ١٣٣ |
| ألا للّه | الوجودِ | الوافر | ٦ | (٥) ٢٠٨ |
| ألذُّ | الوجودِ | الوافر | ٤ | (٧) ٩٨ |
| صلاةُ | الوجودِ | الوافر | ١١ | (٢) ٢٠٥، ٢٠٦ |
| فما أنا | الوجودِ | مخلع البسيط | ٥ | (٦) ١٤١ |
| لا تراقبْ | الوجودِ | الخفيف | ٥ | (٣) ٣١٨ |
| إذا وافت | بالوجودِ | الوافر | ٢ | (٨) ٢١٥ |
| وترك | بالوجودِ | الوافر | ٢ | (٣) ٣٤٦ |
| حضرةُ | عُودي | الخفيف | ٣ | (٨) ٤١ |
| فنار | الوقودِ | الوافر | ٢ | (٦) ١٣٦ |
| ليس | شهودي | الخفيف | ٥ | (٧) ٢١٠، ٢١١ |
| دلالات | الشهودِ | الوافر | ١٠ | (٧) ٤٥، ٤٦ |
| ناداني | الشهودِ | مخلع البسيط | ٥ | (٦) ١٣٦ |
| لكَ | بالشهودِ | الوافر | ٥ | (٦) ٥٦ |
| متى | بالشهودِ | الوافر | ٥ | (٣) ٢١٥ |
| إنّ الإمام | لعبيدِهِ | الكامل | ٢ | (٨) ٦٣ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| وفي | شكزْ | الطويل | ٢ | (٧) ٣٥٧ |
| فما ثَمَّ | أَمَزْ | المتقارب | ٧ | (٧) ٢٠٩ |
| فالكلّ | فظهرْ | البسيط | ٣ | (٨) ٤٨ |
| إنّما | الصدورْ | الرمل | ٣ | (٧) ٢٧٣ |
| ألا إلى | غرورْ | السريع | ١١ | (٦) ٣٨٢ |
| ألا إلى | الغرورْ | السريع | ٦ | (٣) ٣٣٠ |
| إنّما | ظهورْ | مجزوء الرمل | ٦ | (٧) ٣٤٩ |
| فنابَ | الكثيرْ | المتقارب | ٢ | (٥) ١٣٠ |
| السكر | المستديرْ | مجزوء الكامل | ٦ | (٤) ٢٥٩ |
| فإذا | والسريرْ | مجزوء الكامل | ١ | (٨) ١٤١ |
| وإذا | والبعيرْ | مجزوء الكامل | ١ | (٨) ١٤١ |

**الراء المفتوحة**

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| فقد | جارا | الهزج | ٧ | (٧) ٣٣ |
| إنّ المهيمن | الأنوارا | الكامل | ٥ | (٧) ٣٠٢ |
| فأين | يتبرًا | المجتث | ٢ | (٦) ٣٩٤ |
| إنّ الشريك | والخبرا | البسيط | ٢ | (٨) ٢٢١ |
| علقتُ | الصبرا | الطويل | ٣ | (٣) ٤٨٦ |
| إن الرجال | غبرا | البسيط | ٥ | (٦) ٣٨٥ |
| إنّ التكبر | متكبّرا | الكامل | ٣ | (٧) ٣٠٧ |
| شُغلُ | وسَخَّرَهْ | الكامل | ٣ | (١) ٢٨٣ |
| الاعتراف | صَدْرَه | الكامل | ٤ | (٣) ٢٠٨ |
| ما قَدَرَ | قَدَرا | المنسرح | ٤ | (٧) ١٩٤ |
| علمُ | قَدْرَهْ | مجزوء الخفيف | ٩ | (١) ٢٥٥، ٢٥٦ |
| إنّ للّه | يُدْرَى | الخفيف | ٥ | (٧) ٢١٢، ٢١٣ |
| لا تقتحم | يسّرَهْ | البسيط | ٣ | (٨) ٢٢٣ |
| خليفة | بشرا | البسيط | ٥ | (٧) ٣٩٤ |
| إنّ الخبير | البشرا | البسيط | ٢ | (٧) ٣٥١ |
| شغلي | قصرا | البسيط | ١ | (٣) ٥٤٠ |
| أغيبُ | ومحضرا | الطويل | ٤ | (٣) ٤٨٨ |
| شكرٌ | الشكرا | البسيط | ٤ | (٢) ١٨٨ |
| لا يعرف | الفكرا | البسيط | ١ | (٣) ٢٧٥ |
| ياءُ | معتمرا | البسيط | ٣ | (١) ١١١ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| من قدّر | الورى | السريع | ٣ | (٧) ٣٦٥ |
| إذا ما | سرورا | الوافر | ٥ | (٤) ٢٢٣، ٢٢٤ |
| فهو | وسورَهْ | مخلع البسيط | ٢ | (٧) ١٢ |
| فالشرك | والصورا | البسيط | ٣ | (٦) ٣٢٤ |
| خرقٌ | محصورَهْ | البسيط | ٦ | (٣) ٥٥٦ |
| إذا رُمْتُ | كفورا | الطويل | ٦ | (٦) ٣١٦ |
| أنا | نورا | البسيط | ١ | (٣) ١٥٥ |
| العبد | وتقديرا | البسيط | ٨ | (١) ٢٩٧ |
| تجسّدت | بصيرا | الطويل | ٥ | (٦) ١٠٠ |
| أحبُّ | المنيرا | الوافر | ١ | (١) ٣٠٠ |

## الراء المضمومة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| ألا أيُّها | سائرُ | المتقارب | ١٣ | (٦) ٢٢٦، ٢٢٧ |
| نعتُ | غبارُ | الكامل | ١ | (٣) ٥٢٥ |
| المال | عثارُه | الكامل | ١ | (٥) ٢٨ |
| قلتُ | تُدارُ | الخفيف | ٧ | (٦) ٩٨ |
| نفس | والأقدارُ | الكامل | ٣ | (٧) ٣٦ |
| العلم | ومقدارُ | البسيط | ٤ | (٨) ٩٠ |
| إن مَحْقَ | إنذارُ | المديد | ٤ | (٤) ٢٧٥ |
| غِنَى | وانكسارُ | الوافر | ٤ | (٥) ٢٦ |
| للعقل | أبصارُ | البسيط | ٥ | (٥) ١١٣ |
| فأنت | مستعارُ | مخلع البسيط | ٤ | (٢) ٤٤٧ |
| فلولا | النفارُ | الوافر | ١ | (٨) ٦٨ |
| صلاةٌ | وافتقارُ | الوافر | ٢ | (٢) ٤٨٩ |
| الشمس | نارُ | البسيط | ٢ | (٨) ٦٦ |
| كلّ مَنْ | أطوارُ | الخفيف | ٤ | (٥) ١٧٦ |
| إذا قطعتَ | فاعتبروا | البسيط | ٣ | (٤) ٢٨١ |
| إنّ العلوم | معتبرُ | البسيط | ٧ | (٧) ٣٢٥ |
| اللّيل | يسترُه | البسيط | ٨ | (٤) ٤٢٦ |
| إنّ المشيئة | أثرُ | البسيط | ٧ | (٧) ٦٦ |
| الدال | أثرُ | البسيط | ٣ | (١) ١١٢ |
| الرزق | أثرُ | البسيط | ٣ | (٧) ١٦٨ |
| إن | فازدجروا | البسيط | ٦ | (٣) ٣٢٣ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| عبدُ | يضجرُ | الكامل | ٢ | (٨) ٤٩ |
| فوصفك | آخرُ | الطويل | ٢ | (٤) ١٩٦ |
| أنت المؤخّر | تؤخُرُهْ | الكامل | ٥ | (٨) ١٩ |
| إنّ الجهول | يذرُ | البسيط | ٥ | (٨) ٢٠٦ |
| أنت | ضررُ | البسيط | ٣ | (٣) ٣٠٢ |
| يُغلي | يقررُ | الكامل | ٤ | (٧) ٣٩٧ |
| فالحكم | والبشرُ | البسيط | ٨ | (٧) ٤٣ |
| الخلق | بصرُ | البسيط | ٧ | (٦) ٣٨٧ |
| فانظر | البصرُ | البسيط | ٥ | (٥) ٤٢٥ |
| إذا كان | والبصرُ | الطويل | ٣ | (٣) ٣٠٥ |
| لا تنظرنّ | تبصرُ | الكامل | ٥ | (٤) ٢٧ |
| رُتَبُ | نستنصرُ | الكامل | ٢ | (٣) ٢٦٨ |
| حضوري | الحاضرُ | المتقارب | ٣ | (٤) ٢٥٩ |
| أغيب | حضروا | البسيط | ٤ | (٤) ٢٥٨ |
| فمن | ناظرُ | الطويل | ٢ | (٧) ٣٣، ٣٤ |
| عينُ | تناظرُ | الكامل | ٦ | (٧) ٣٢ |
| علمُ | نظرُ | البسيط | ٧ | (١) ٢٥٠ |
| إلى أين | ينافرُ | الطويل | ٤ | (٤) ١٧ |
| إذا كان | مغفرُ | الطويل | ٢ | (٧) ٣١٤ |
| يُستدرج | الماكرُ | السريع | ٤ | (٤) ٢٣٧ |
| الباء | مدّكرُ | البسيط | ٣ | (١) ١١٧ |
| القلب | تذكرُهُ | البسيط | ٦ | (٧) ٩ |
| من يذكر | تذكرُه | البسيط | ٨ | (٧) ٢٨٠ |
| لا يترك | يذكرُهُ | البسيط | ٥ | (٣) ٣٤٥، ٣٤٦ |
| فيعلم | الفكرُ | البسيط | ١ | (٦) ٣٦٦ |
| إنّ الوجود | فتفكّروا | الكامل | ٤ | (٧) ١٤٥ |
| إذا جاء | الأمرُ | الطويل | ٢ | (٦) ٩٢ |
| فأيُّ | والأمرُ | الطويل | ٨ | (٦) ٣٨ |
| يقولون | والأمرُ | الطويل | ٢ | (٢) ٥٣٤ |
| فما ثَمّ | ظاهرُ | الطويل | ٣ | (٣) ٢٤٠ |
| فللأولى | الجهرُ | الهزج | ٢ | (٧) ٣٧٠ |
| إذا كان | القهرُ | الطويل | ٢ | (٧) ٣١٧ |
| إنّ الوجود | أبورُ | الكامل | ٤ | (٧) ٢١ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| حبستُ | لصبورُ | المجتث | ٥ | (٨) ٤٩ |
| إذا جهلتْ | قبورُ | الطويل | ٣ | (٤) ٣٧٠ |
| إنّ الإمام | يدورُ | الكامل | ٤ | (٦) ٥٠، ٥١ |
| بين | سُوَرُ | البسيط | ٩ | (١) ٤٥٨، ٤٥٩ |
| احذرْ | والسُّوَرُ | البسيط | ٢ | (٣) ٤٤٢ |
| إنّ المراة | الصورُ | البسيط | ٢ | (٨) ٢١٧ |
| فإنّ | والصورُ | البسيط | ٢ | (٦) ١٨ |
| والعينُ | والصورُ | البسيط | ١ | (٤) ٣٦ |
| إلى خالق | حضورُ | الطويل | ٥ | (٧) ٣٠٩ |
| المثلُ | تنوّرُه | البسيط | ٢ | (٨) ٢٢٠ |
| فهكذا | الدهورُ | مخلع البسيط | ١٢ | (٧) ٣٩١ |
| لو ظهرنا | الظهورُ | الخفيف | ٤ | (٧) ١٣ |
| إن الكيان | وتحبيرُ | البسيط | ٣ | (١) ٥٥١، ٥٥٢ |
| للّه | البشيرُ | مجزوء الخفيف | ٧ | (٨) ٦٢، ٦٣ |
| فسيرك | تطيرُ | الطويل | ١ | (٨) ١٣٨ |
| فكلّنا | صغيرُ | مخلع البسيط | ٤ | (٦) ٣٣١ |
| روحُ | الصغيرُ | المجتث | ١٩ | (١) ١٨٢، ١٨٣ |
| فهي | المنيرُ | مجزوء الرمل | ٣ | (٧) ٣٨٠ |

## الراء المكسورة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| واللّه | الدائرِ | السريع | ٥ | (٨) ٢٠، ٢١ |
| وهل ثمَّ | البصائرِ | الطويل | ٢ | (٧) ١٦٣ |
| فانظر | أستارِ | البسيط | ١ | (٢) ٣٩٠ |
| فانظر | أحجارِ | البسيط | ٢ | (٨) ١٧٨ |
| استغفر | وأسحارِ | البسيط | ٢ | (٨) ٢١٣ |
| عفوتَ | بدارِهِ | الطويل | ٥ | (٨) ٢٧ |
| من شاء | الأسرارِ | الكامل | ٢ | (٨) ٢٣٢ |
| تفجّرت | أسراري | الطويل | ١٠ | (٤) ٤٥٣ |
| تنزّل | بالأسرارِ | الكامل | ٧ | (٥) ٧٧ |
| شغف | ومُشاري | الكامل | ١ | (١) ٤٠٣ |
| قال | الأشعارِ | الكامل | ١٧ | (١) ٤٠٤ |
| إن البروج | الأنوارِ | الكامل | ٦ | (٤) ٤٧٧ |
| منازل | وأنوارِه | السريع | ٣ | (٤) ٣٤١ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| الجيم | والأخيارِ | الكامل | ٤ | (١) ١١٠ |
| النوم | واعتبرِ | البسيط | ٥ | (٣) ٢٧٤، ٢٧٥ |
| إذا يُخصّ | خبرِ | البسيط | ٦ | (٨) ١٦٨، ١٦٩ |
| حَمَلَ | خبرِ | البسيط | ١٠ | (٥) ٣ |
| فالشمس | خبرِ | البسيط | ٤ | (٨) ٦٧ |
| إنّي | الخبرِ | البسيط | ٥ | (٧) ٤٠٧ |
| حبّي | الخبرِ | البسيط | ٣ | (٣) ٤٨٥ |
| كأنّ | الخبرِ | البسيط | ٣ | (١) ٥٥٢ |
| إن السفور | بالخبرِ | البسيط | ٤ | (٣) ٤٤٠ |
| الأذن | والخبرِ | البسيط | ٥ | (٣) ٤٨٥ |
| إن الرسول | والعبرِ | البسيط | ٨ | (٣) ٣٨٨ |
| من يتقي | قبرِه | السريع | ٥ | (٣) ٢٤٢ |
| إذا رأيت | الأثرِ | البسيط | ٥ | (٤) ٢١٥، ٢١٦ |
| قد قيل | تجري | البسيط | ٤ | (٨) ٢١٢ |
| علقتُ | أدري | الطويل | ٧ | (٣) ٤٨٦ |
| ثلاثةٌ | قادرِ | الطويل | ٣ | (٥) ٢٤٥ |
| أقربُ | تدري | مجزوء الرمل | ٥ | (٧) ٣٩٩ |
| إنّ الضنائن | تدري | البسيط | ٤ | (٧) ١٠٨، ١٠٩ |
| جميل | تدري | الطويل | ٦ | (٤) ٢٥٦ |
| فهذا | تدري | الطويل | ٣ | (٥) ٤٠٩ |
| الفاء | قدرِ | البسيط | ٣ | (١) ١١٧ |
| ليس | قدرِ | البسيط | ٥ | (٧) ٣٨٦ |
| جاءت | قدري | مجزوء الرمل | ٤ | (٧) ٣٤٩ |
| إن التفكير | والقدرِ | البسيط | ٦ | (٣) ٣٤٦ |
| من يتّق | يدري | البسيط | ٤ | (٧) ١٩٧ |
| وإني | يدري | الطويل | ١٤ | (٣) ٣٩٢ |
| كنار | يدريه | البسيط | ١ | (٣) ٤٠٥، (٥) ١٧٦ |
| إن الخلافة | الضررِ | البسيط | ٢ | (٧) ٣٩٤ |
| نونُ | والضررِ | البسيط | ٢ | (٨) ٢٢١ |
| إنّي | البشرِ | البسيط | ٥ | (٧) ٢٣٨ |
| فحضرةُ | البشرِ | المنسرح | ٢ | (٨) ٤٠ |
| قَبْلُ | البشرِ | البسيط | ١٢ | (٧) ١٨٠، ١٨١ |
| العلم | البشرِ | البسيط | ١٠ | (٤) ٣٤١، ٣٤٢ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إن الفتوّة | والناسِ | البسيط | ٥ | (٣) ٣٤٩ |
| ما قرّةُ | الحسِّ | البسيط | ٥ | (٦) ٢٩٨ |
| عالم | القدسِ | المديد | ٦ | (١) ٢٣٢ |
| نَفَسُ | جَرَسِه | المديد | ٤ | (٤) ٢٩ |
| إذا قامت | نَفَسِ | الطويل | ٣ | (٨) ٢٢٨ |
| فدائي | نفسِي | الطويل | ٤ | (٤) ١٧٩ |
| وأين | نفسِه | السريع | ٦ | (٦) ٢٨ |
| فلو أن | نفسِه | المتقارب | ٦ | (٧) ٢٢٩ |
| من هاله | نفسِه | السريع | ٥ | (٦) ٣٤٧ |
| ليس | نفسِه | السريع | ٧ | (٦) ٣٤٥ |
| إن العليل | نفسِه | الكامل | ٣ | (٤) ١٧٧، ١٧٨ |
| من يتقي | نفسِه | السريع | ٨ | (٣) ٢٣٨، ٢٣٩ |
| الصدق | للنفسِ | البسيط | ٥ | (٣) ٣٣٦ |
| اللام | الأنفسِ | الكامل | ٣ | (١) ١١١ |
| إنّ الصلاة | للشمسِ | البسيط | ١٠ | (٧) ٢٥٨ |
| الأمر | والهمسِ | السريع | ٣ | (٨) ٢١٥ |
| إحياء | جنسِ | مخلع البسيط | ١ | (٦) ٨٧ |
| كلّ شخص | جِنْسِه | الرمل | ١٠ | (٧) ١٨٣ |

## قافية الشين

### الشين المفتوحة

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| روحه | يشا | الرمل | ١ | (٨) ١٣٠ |

### الشين المكسورة

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| أنا في | عرشي | مجزوء الرمل | ٢ | (٨) ٦٧ |

## قافية الصاد

### الصاد الساكنة

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| مراتب | اختصاصْ | السريع | ٤ | (١) ٤٨٦ |

### الصاد المضمومة

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| من أخلص | يستخلصُه | السريع | ٢ | (٣) ٣٣٢ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|

**الصاد المكسورة**

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إذا أحصيتَ | وتحصي | الوافر | ٥ | (٨) ٥ |
| للمستقيم | تخصيصِها | الكامل | ٤ | (٣) ٣٢٦ |
| تجلّي | النقصِ | الطويل | ٦ | (١) ٢٥٢، ٢٥٣ |
| عناية | بالنصِّ | الطويل | ٢ | (٧) ١٧١ |

## قافية الضاد

**الضاد الساكنة**

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| فهذا | الخائضْ | المتقارب | ٤ | (٧) ٢٠٩ |

**الضاد المفتوحة**

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إن الذي | الرضا | السريع | ٣ | (٨) ٢٢٥ |
| فنلقاه | وبالرضَى | مختلّ الوزن | ٢ | (٧) ٤٠٦ |
| يمرضني | مرضا | السريع | ٢ | (٨) ٢٢٨ |
| كلّ | بقضا | الرمل | ٧ | (٧) ٢٥، ٢٦ |

**الضاد المضمومة**

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| ليس | غرضُه | البسيط | ٣ | (٤) ٢٣١ |
| إنّ التواضع | يخفضُه | البسيط | ١٠ | (٧) ٣٣١ |
| الزهد | مقبوضُ | البسيط | ٤ | (٣) ٢٦٨ |

**الضاد المكسورة**

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| منازل | الأرضِ | السريع | ٣ | (١) ٢٦٨ |
| رأيتُ | بالأرضِ | السريع | ٤ | (٧) ٢٦٦ |
| رغبتُ | يقتضِيهِ | المجتث | ٣ | (٣) ٢٤١ |
| الصدق | عرضِه | السريع | ٥ | (٣) ٣٣٥ |

## قافية الطاء

**الطاء الساكنة**

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| فأبْنِيَةٌ | تنضبطْ | المتقارب | ٤ | (٧) ٦٠ |

**الطاء المفتوحة**

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| علمٌ | والوسطا | البسيط | ٤ | (٦) ٣١٣ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إذا ما | تُغطَ | مجزوء الوافر | ٤ | (٨) ٣٧ |
| حضرةُ | غَطا | مجزوء الخفيف | ٥ | (٨) ٣٧ |
| | | **الطاء المضمومة** | | |
| إنّ الوجود | ومغتبطُ | البسيط | ٥ | (٨) ١٢ |
| فلا دنوّ | هبوط | مخلع البسيط | ٢ | (٧) ٥٨ |
| إنّ البسيط | يحيطُ | الكامل | ١ | (٨) ١٦٤ |
| | | **الطاء المكسورة** | | |
| كلّ من | البساطِ | الخفيف | ٢ | (٨) ٢٣٠ |
| إذا أعطى | معطي | مجزوء الوافر | ١٦ | (٨) ٣٧، ٣٨ |
| إنّ التواقيع | يعطيها | البسيط | ٤ | (٧) ٣٨ |
| | | **قافية الظاء** | | |
| | | **الظاء المفتوحة** | | |
| إن الحفيظ | لَفَظَهْ | البسيط | ٣ | (٧) ٣٦٢ |
| | | **الظاء المضمومة** | | |
| إذا قلتُ | الحفظُ | الطويل | ٣ | (٥) ٣٢٨ |
| لكلّ | وكظيظُ | الطويل | ٣ | (٧) ٣٦٣ |
| قُلْ | الحفيظُ | الخفيف | ٤ | (٥) ٣٣٨ |
| | | **الظاء المكسورة** | | |
| إن الحروف | الحفّاظِ | الكامل | ٤ | (١) ٨٥ |
| إذا استفهمتُ | لفظي | الوافر | ٤ | (١) ٢٧٢ |
| | | **قافية العين** | | |
| | | **العين الساكنة** | | |
| إنّ الوفاق | وشرعْ | البسيط | ٧ | (٧) ٢٥٣ |
| شفعيّةٌ | الورعْ | الكامل | ٣ | (٣) ٢٦٥ |
| إنما | والجزعْ | الرمل | ٢ | (٣) ٢٨٠ |
| فلا حول | الواقعْ | المتقارب | ٢ | (٧) ١٦٤ |
| ظهوري | مطلعْ | الطويل | ٤ | (٦) ٣٩٥ |
| إذا بلغ | مانعْ | مجزوء الوافر | ٣ | (٨) ٢٣١ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| | | **العين المفتوحة** | | |
| إذا أنت | تدعَى | الطويل | ١٧ | (٨) ٣٨٠، ٣٨١ |
| إنّ الذي | شَرَعَهْ | البسيط | ٢ | (٧) ٣٦٤ |
| فلو | مَنَعَا | البسيط | ٥ | (٥) ٣٣٨، ٣٣٩ |
| من أحبّ | الرجوعا | الخفيف | ٦ | (٧) ٥٣ |
| كُنْ | مطيعا | الخفيف | ٥ | (٧) ٣٧٤ |
| الحقّ | بِقِيعَهْ | مجزوء الكامل | ١٤ | (٣) ٤٠٢، ٤٠٣ |
| كلّ | جميعا | الخفيف | ٦ | (٦) ٣١٥ |
| | | **العين المضمومة** | | |
| كلام | انطباعُ | الوافر | ٢ | (٧) ٣٦٦ |
| ولو أن | يراعُ | الوافر | ٣ | (٧) ٢٤٥ |
| فعينٌ | تبعُ | الطويل | ١ | (٧) ٤٠٩ |
| إنّي | نتّبعُه | البسيط | ٢ | (٧) ٢٠٦، ٣٩٥ |
| إذا كان | يرجعُ | المتقارب | ٤ | (٤) ٢٨٩ |
| إذا قلتُ | تدعُو | الطويل | ٢ | (٢) ٨٨ |
| لمنازل | زعازعُ | الكامل | ٣ | (١) ٢٦٦ |
| لمنازل | توقّعُ | الكامل | ٤ | (١) ٢٦٨ |
| النارُ | تطّلعُ | البسيط | ٢ | (١) ٤٨٥ |
| إذا كان | سامعُ | الطويل | ٥ | (٨) ٤٢ |
| إن الأمور | تجتمعُ | البسيط | ٦ | (١) ٢٨٢ |
| إن الأديب | مجمَّعُ | الكامل | ٥ | (٣) ٤٢٨ |
| إنّما | يسمعُ | الرمل | ١ | (٨) ٣٨٥ |
| إنّما | يُسْمَعُ | الرمل | ٥ | (٨) ٢٦٥ |
| فالكلّ | يمتنعُ | البسيط | ٣ | (٥) ٤٢٨ |
| أرى | صنعُ | الطويل | ٨ | (١) ٨٠ |
| الأنس | ومخدوعُ | البسيط | ٤ | (٤) ٢٥٤ |
| فالأصل | فروعُ | الكامل | ١ | (٦) ١٨٠ |
| غشيتُ | خشوعُ | الوافر | ٦ | ٤) ٤٦٠ |
| ألا إنّ | الرفيعُ | الوافر | ٣ | (٧) ٣٠٤ |
| | | **العين المكسورة** | | |
| شكوتُ | باعي | مخلع البسيط | ٨ | (٥) ٣٦٣ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| الصاحب | وأوجاعي | البسيط | ٢ | (٧) ٣٩١ |
| إذا كنتُ | المنازِعِ | الطويل | ٦ | (٧) ٦ |
| بذلتُ | بموضعِه | البسيط | ٤ | (٥) ٣٧٣، ٣٧٤ |
| فلم | بالقطعِ | الطويل | ١ | (٦) ٣٦٨ |
| من كان | أجمعِه | البسيط | ٣ | (٦) ٢٤١ |
| من يرتدد | أجمعِه | البسيط | ٣ | (٧) ١٩٣ |
| فما ثَمَّ | بالجمعِ | الطويل | ٦ | (٧) ١٥٥ |

## قافية الفاء

### الفاء الساكنة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| جسمٌ | صارفْ | البسيط | ٣ | (٢) ٤٦٩ |
| ولمّا | أغترفْ | الطويل | ٩ | (١) ٣٨٥ |
| إذا كان | والمواقفْ | الوافر | ٥ | (٧) ٣٠٠ |
| حضرةُ | والصلفْ | مجزوء الخفيف | ٧ | (٧) ٣٨٣ |
| الربّ | المكلَّفْ | مخلع البسيط | ١ | (٢) ٢٥٨ |
| الربّ | المكلّفْ | مخلع البسيط | ٢ | (١) ١٥ |

### الفاء المفتوحة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| فلا يدري | الكثافَهْ | الوافر | ٥ | (٧) ٣٥٠ |
| إن للّه | عُرفا | الرمل | ٤ | (٥) ٣٣٧ |
| من ارتقى | صِفَهْ | السريع | ٥ | (٣) ٤٤٧ |
| الملك | وُصفا | البسيط | ٥ | (١) ٢٠٧ |
| مرسلُ | مصطفَى | الرمل | ٥ | (٢) ٥٣٠، ٥٣١ |
| فللّه | عاكفَهْ | المتقارب | ٤ | (٥) ٣٣٥، ٣٣٦ |
| رؤوف | متلهّفا | الطويل | ٥ | (٨) ٢٩ |
| من اكتفى | وفا | البسيط | ٢ | (٨) ٢١٣ |
| منازل | معروفَهْ | السريع | ٣ | (١) ٢٧١ |

### الفاء المضمومة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إن القلوب | تنصرفُ | البسيط | ٢ | (٣) ٢٥٦ |
| إن للّه | يُصرفُ | الرمل | ٩ | (٧) ٢٤٧ |
| فالعينُ | ينكشفُ | البسيط | ١ | (٦) ١٩٦ |
| ما كلّ | المنصفُ | الكامل | ٢ | (٦) ٢٦٣ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| فليس | وصفُ | الوافر | ٢ | (٧) ٩١ |
| إن الجليل | يوصفُ | الكامل | ٢ | (٤) ٢٥٦ |
| ألا بأبي | واقفُ | الطويل | ٥ | (١) ٢١٩، ٢٢٠ |
| ما يعرف | مختلفُ | البسيط | ٤ | (٢) ٤٩١ |
| ليس | موصوفُ | البسيط | ٤ | (٤) ٢٥٧ |
| إنّ الحكيم | وموصوفُ | البسيط | ٤ | (٧) ٣٧٨ |
| قلتُ | مكفوفُ | الخفيف | ١٣ | (٦) ٧٩ |

## الفاء المكسورة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إنّي | فِيهِ | البسيط | ١٢ | (٧) ٤٨، ٤٩ |
| لا تجاهدْ | فِيهِ | الخفيف | ٤ | (٣) ٢٢٣ |
| فإنْ | فِيهِ | الطويل | ٢ | (٧) ٣٣٣ |
| لما بدأتُ | فِيهِ | البسيط | ٥ | (٨) ٦ |
| إنّي | الشافي | البسيط | ٥ | (٧) ٤٠٣ |
| الشخص | يخفِيهِ | السريع | ٢ | (٨) ٢٢٢ |
| ألفُ | نغترفِ | الرمل | ٥ | (١) ١١٨، ١١٩ |
| يسوق | شرفِ | البسيط | ٤ | (٧) ١٠٥ |
| لا بدّ | عسفِ | السريع | ٨ | (٨) ١٠٣ |
| فوصفه | وصفِه | السريع | ٣ | (١) ٨١ |
| من أخلص | وَصْفِه | السريع | ٢ | (٣) ٣٣٤ |
| إذا مضى | الخلفِ | البسيط | ٢ | (٨) ٢٢٦ |
| الحقّ | ومألوفِ | البسيط | ٢ | (٤) ٣٥٣ |
| إذا عاينتَ | الرغيفِ | الوافر | ١٦ | (٢) ١٧٦ |

# قافية القاف

## القاف الساكنة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| ألا إنّ | المساقْ | الوافر | ٥ | (٦) ٢٥٧ |
| لأنها | أسبقْ | المجتث | ١ | (١) ١١٤ |
| فكلّ | الحقْ | مخلع البسيط | ٦ | (٣) ٣٤٣ |
| الصاد | أصدقْ | المجتث | ١ | (١) ١١٣ |
| الصاد | أصدقْ | المجتث | ٣٢ | (١) ١١٤، ١١٥ |
| من يقل | يصدقْ | مجزوء الرمل | ٥ | (٧) ٢٠٠ |
| فلا تخالفْ | تفارقْ | مخلع البسيط | ١ | (٦) ٣٧٣ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| تعوّذوا | غسقْ | السريع | ٧ | (٨) ٣١ |
| فبين | خلقْ | مخلع البسيط | ٣ | (٧) ٢٢١ |
| ألا إنّما | خلقْ | الطويل | ١١ | (٧) ٢١٨ |
| كلّ ما | مطلقْ | مجزوء الرمل | ٤ | (٦) ١٠٣ |

## القاف المفتوحة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| مستمسك | الأتقى | السريع | ٢ | (٨) ٢٢٤ |
| فلا تعملْ | حقًّا | الهزج | ٣ | (٦) ١٣٥ |
| فما ثَمّ | الحقًّا | الطويل | ٣ | (٨) ١٥ |
| فتصديق | صادقا | الطويل | ٥ | (٥) ٣٢٣ |
| ومن يتّق | فارقا | المتقارب | ٩ | (٧) ٢٢١، ٢٢٢ |
| فلذات | الشَّقَا | الرمل | ٥ | (٦) ١٤٠ |
| فكُنْ | فتشقى | مخلع البسيط | ٣ | (٧) ١٣٣ |
| جزاء | أصْعَقَه | السريع | ٥ | (٧) ٢٣٤ |
| فما ثَمّ | خَلْقَا | الطويل | ٨ | (٨) ٤ |
| بلوغ | خَلَقَهْ | البسيط | ٢ | (٨) ٢٢٢ |
| فليس | خَلَقَهْ | البسيط | ٤ | (٧) ٣١٣ |
| لمّا لزمتُ | صديقا | الكامل | ١ | (٨) ٢٧٠ |
| فقُلْ | الحقيقَهْ | الوافر | ٢ | (٣) ١٤٢ |

## القاف المضمومة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| فرؤيةُ | محاقُ | مخلع البسيط | ٣ | (٤) ١٨٦، ١٨٧ |
| للّه | طبقُ | البسيط | ٤ | (٧) ٢٥٠ |
| فالكلّ | حقُّ | مخلع البسيط | ٣ | (٢) ٤٩٠ |
| فظاهرُ | حقُّ | المجتث | ١ | (٧) ٣٦١ |
| فـ شهد | الصادقُ | السريع | ٣ | (٦) ١٤٦ |
| أخبروني | طرّقوا | الرمل | ٣ | (٨) ١٦٥ |
| ليس | يعشقُه | الرمل | ٣ | (٣) ٥٤٥ |
| إذا طهر | الناطقُ | المتقارب | ٤ | (٧) ٩٠ |
| أفغير | ينطقُ | الرمل | ٦ | (٧) ٢٠٢ |
| إن الرفيق | المتحققُ | الكامل | ٢ | (٧) ٤٠٦ |
| ألا إنّ | محقّقُ | الطويل | ٢ | (٦) ٩ |
| فقد | محققُ | الطويل | ٢ | (٦) ١٠٣ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| وكلّ | يحققُه | البسيط | ١ | (٧) ٤٠٤ |
| فما ثَمّ | خالقُ | الطويل | ٣ | (٥) ٣٢٥ |
| فقلنا | خلقُ | مجزوء الوافر | ٢ | (٦) ٢٢٦ |
| فناء | خلقُ | الوافر | ٣ | (٤) ٢٧٥ |
| فكلّ | خلقُ | مخلع البسيط | ٣ | (٦) ٢٠ |
| فقد | الخلقُ | الهزج | ٣ | (٦) ١٢٤ |
| إنّما | خلقُه | مجزوء الخفيف | ٤ | (٧) ٣٧٦ |
| قلتُ | تخلقُ | السريع | ١٠ | (٥) ٣٣٦ |
| الفقرُ | ينطلقُ | البسيط | ٧ | (٣) ٣٩٥، ٣٩٦ |
| قَذْفُكَ | زاهقُ | السريع | ٧ | (٨) ٢١١ |
| إن السخيّ | المخلوقُ | الكامل | ٢ | (٧) ٣٨٦ |

### القاف المكسورة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| فعينُ | افترافِ | الوافر | ٦ | (٦) ٣٨ |
| الحمد | ساقِ | البسيط | ٣ | (٧) ١٤١ |
| نونُ | وخلاّقِ | البسيط | ٣ | (٣) ٢٦٠ |
| فيا حقّي | تُبقي | مجزوء الوافر | ٦ | (٦) ١٠٢ |
| ألا إنّ | السبقِ | الطويل | ٢ | (٨) ٢٢٩ |
| لولا | يُبقي | السريع | ٤ | (٦) ٣٩٣ |
| فيا أيّها | نتّقي | المتقارب | ٧ | (٦) ٤٨ |
| فهو | حقِّه | الكامل | ١ | (٧) ٢٩٦ |
| فإذا | بحقٍّ | مجزوء الرمل | ٦ | (٨) ٣١ |
| الشرع | وبحقِّه | الكامل | ٦ | (٣) ٢٤٣ |
| فما تصدّى | لحقٍّ | مخلع البسيط | ٣ | (٨) ٣٦ |
| الرهبة | الصادقِ | البسيط | ٤ | (٤) ٢٤٢ |
| تغرَّبْ | الصدقِ | الطويل | ٥ | (٤) ٢٣٤ |
| قِدِ | الورقِ | البسيط | ٤ | (٨) ٣٣١، ٣٣٢ |
| فوالي | نسقِ | مجزوء الوافر | ٥ | (٨) ٣٠ |
| ربُّ | بوفقِه | الكامل | ٩ | (٣) ٢٨٨، ٢٨٩ |
| من حازَ | خُلُقِه | السريع | ٤ | (٦) ٢٢٢ |
| شعائر | والخلقِ | البسيط | ٦ | (٧) ١٦١ |
| خذها | المطلقِ | الكامل | ٨ | (٣) ٥٤٨، ٥٤٩ |
| قُلْ | العُلَقِ | البسيط | ١٩ | (٥) ٦٧، ٦٨ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| كلّما | مالكي | مجزوء الخفيف | ٩ | (٨) ١٠٤ |

## قافية اللام

### اللام الساكنة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| كلّ | الرجالْ | السريع | ١ | (٨) ١٢٩ |
| كم تمنيتُ | ليقالْ | الرمل | ٩ | (٨) ٣٦٤ |
| ما شفع | الكمالْ | السريع | ٧ | (٨) ١٢٩ |
| حضرةُ | تنالْ | الرمل | ٥ | (٨) ٤٥ |
| ألف | ومحلْ | الرمل | ٣ | (١) ١٠٦ |
| في فناء | تنزّلْ | مجزوء الرمل | ١١ | (١) ٢٧١ |
| كلّ من | انفصلْ | مجزوء الرمل | ٦ | (٧) ٦٢ |
| همزة | منفصلْ | الرمل | ٢ | (١) ١٠٦ |
| ليس | ظِلْ | الوافر | ٣ | (٥) ٣٢٥ |
| فما ثَمَّ | منفعلْ | الطويل | ١ | (٧) ٥٣ |
| كان | وأقَلْ | الرمل | ٧ | (٦) ٢٧٩ |

### اللام المفتوحة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إلى القيّوم | وآلا | الوافر | ٤ | (٨) ١٠ |
| طالبُ | محالا | الخفيف | ٥ | (٧) ٥٤، ٥٥ |
| إنّ الكريم | سألا | البسيط | ٨ | (٧) ٣٧٠ |
| كافُ | الإفضالا | الكامل | ٣ | (١) ١٠٩ |
| إذْ بهم | سفالا | مجزوء الرمل | ٢٤ | (٧) ٣٥٨ |
| طلب | الإجلالا | الكامل | ٥ | (١) ٤٨٦ |
| فقد | ما لَها | المتقارب | ٣ | (٦) ١٩ |
| علومُ | زوالا | الوافر | ١٦ | (١) ٢٤٦، ٢٤٧ |
| فكُنْ | مَثَلا | البسيط | ١ | (٥) ٤٠١ |
| فلا تضربْ | مثلا | مجزوء الوافر | ٤ | (٦) ٧٦، ٧٧ |
| لولا | تجلّى | مخلع البسيط | ٦ | (٥) ٢٦ |
| حضرةُ | يُفتح لَهْ | الرمل | ٤ | (٧) ٣٢٣ |
| راءُ | يُخذلا | الكامل | ٣ | (١) ١١١ |
| إنّ الحكيم | منازلَها | البسيط | ٢ | (٨) ٢٢٠ |
| الفصلُ | حصلا | البسيط | ٣ | (٤) ١٦٤ |
| في الشين | وصلا | البسيط | ٣ | (١) ١١٠ |

## اللام المضمومة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| علم | ينزلُ | الرمل | ٥ | (٧) ٢٠٧ |
| لتأيُّه | يا فُلُ | الكامل | ٤ | (١) ٢٦٥ |
| أنا في | قفلُ | مجزوء الرمل | ٢ | (٨) ٦٦ |
| فله | عقلُوه | الخفيف | ٢ | (٧) ٣٩٨ |
| وفي كفّتيْ | تعقلُ | الطويل | ٢ | (٢) ٤١٠ |
| وجودك | تعقلُ | الطويل | ١٢ | (١) ٣٧٨، ٣٧٩ |
| فعنديّةٌ | تُعقلُ | مخلع البسيط | ٣ | (٥) ٢٨٩، ٢٩٠ |
| واللّه | المقلُ | البسيط | ٥ | (٤) ٢٧٣ |
| إنّ الرقيب | توكّلوا | الكامل | ٤ | (٧) ٢٧٥ |
| هيهات | جَلَلُ | البسيط | ٦ | (٥) ٣٧٩، ٣٨٠ |
| إن المقادير | ظُلَلُ | البسيط | ٥ | (٥) ٣٨٧، ٣٨٨ |
| جَهِلْنا | نحملُهُ | الرمل | ٢ | (٨) ٢١٦، ٢١٧ |
| للمحو | يحملُه | البسيط | ٣ | (٤) ٢٧٢ |
| علم | عملُوا | الرمل | ٤ | (٥) ١٥٩ |
| من تَرَكَ | الجاهلُ | السريع | ٥ | (٣) ٤٣٣ |
| جماعةٌ | جهلوا | البسيط | ٧ | (٣) ٣٩١، ٣٩٢ |
| للقبض | تُجهلُ | السريع | ٥ | (٤) ٢٠٧ |
| إن المقرَّب | تجهلُه | البسيط | ٨ | (٥) ٨ |
| اللّه | نجهلُه | البسيط | ٥ | (٧) ٢٠٦ |
| إن قلتُ | يجهلُ | السريع | ٢ | (٢) ٥٢٦ |
| بين | يُجهلُ | الكامل | ٦ | (٣) ٣٨٠ |
| ليس | فيمهلُكم | البسيط | ٤ | (٧) ٣٥٢ |
| سبحان | الأولُ | الكامل | ٥ | (٨) ٢٠ |
| إن التدبر | والدولُ | البسيط | ٣ | (١) ٣١٢ |
| فمن سفل | نزولُ | الوافر | ٢ | (٧) ٣٦٥ |
| بتنزيه | أُفولُ | الطويل | ٤ | (٤) ٣١١ |
| تقول | أقولُ | الوافر | ٤ | (٢) ٨٧، ٨٨ |
| وكيلي | أقولُ | الوافر | ٣ | (٧) ٤١١ |
| أقسمتَ | معقولُ | البسيط | ٦ | (٤) ٤٢١ |
| العرش | معقولُ | البسيط | ٧ | (١) ٢٢٥، ٢٢٦ |
| لمنازل | معقولُ | الكامل | ٣ | (١) ٢٦٧ |
| حجابك | فنقولُ | الطويل | ٥ | (٧) ١٩ |
| الرزق | ومنقولُ | البسيط | ٤ | (٧) ٣٢٠ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| فلو | يقولُ | مخلع البسيط | ٣ | (٦) ١٩ |
| فقد | يقولُ | مخلع البسيط | ٢ | (٧) ١٦٠ |
| تركُ | معلولُ | البسيط | ٩ | (٣) ٣٤٨ |
| الشركُ | عوّلوا | السريع | ٧ | (٣) ٤٣٩ |
| كتبتُ | سبيلُ | الطويل | ٦ | (٨) ٣٦٠ |
| فداء | مستحيلُ | المتقارب | ٢ | (٧) ١٢١ |
| ألا إنّ | عديلُ | الطويل | ٧ | (٧) ٢٨٧، ٢٨٨ |
| لكلّ | تنزيلُ | البسيط | ٥ | (٥) ٢٦٩ |
| لو كان | دليلُ | مخلع البسيط | ٥ | (٦) ٣٣٢ |
| تجسّدُ | تضليلُ | البسيط | ٢ | (٨) ٦٥ |
| العلم | وتضليلُ | البسيط | ٦ | (٤) ٤٠٩ |
| للّه | وتحويلُ | البسيط | ١١ | (٥) ١٠٥ |

## اللام المكسورة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| كلّ | الرجالِ | السريع | ١ | (٨) ١٢٩ |
| هوًى | الرجالِ | الوافر | ٥ | (٣) ٥٢٨ |
| للاستقراء | الرجالِ | الوافر | ٦ | (١) ٤٢٨، ٤٢٩ |
| حقائق | حالِ | البسيط | ٥ | (٥) ٣٢ |
| لوائح | حالِ | البسيط | ٣ | (٤) ١٩٠ |
| شهاب | حالي | الوافر | ٣٢ | (٥) ١٦٦، ١٦٧ |
| إن التلوّن | الحالي | البسيط | ٤ | (٤) ١٩١، ١٩٢ |
| إن المراد | وترحالِ | البسيط | ٣ | (٤) ٢٢٨ |
| فإنني | اتصالي | مخلع البسيط | ١ | (٤) ٢٩ |
| قُلْ | بأشكالي | البسيط | ١٠ | (٥) ٣٥٠ |
| الجهل | وأشكالي | البسيط | ٥ | (٧) ٢٥٥ |
| كأنما | إجلالِ | البسيط | ١ | (٨) ١٥٩ |
| سل | المالِ | الطويل | ٤ | (٨) ٣٨٤ |
| إلى الرحمن | بالجمالِ | الوافر | ٢ | (٧) ٢٩٤ |
| يا من | للأعمالِ | الكامل | ٤ | (٣) ٢٧٣ |
| لو لم | الكمالِ | مخلع البسيط | ٨ | (٧) ٢٧٦ |
| إذا عرف | إمهالِه | المتقارب | ٧ | (٦) ١٣٩ |
| حضرةٌ | أحوالي | الخفيف | ٣ | (٧) ٤٠٧ |
| قد قلتُ | تأتلي | السريع | ٣ | (٦) ٢٨ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| فلا يكون | مثلِها | السريع | ٢ | (٦) ٤٣ |
| إذا كنتَ | الآجلِ | المتقارب | ١١ | (١) ٣٧٤، ٣٧٥ |
| إذا تجلّى | التجلّي | مخلع البسيط | ٩ | (٧) ٢٨٢ |
| النور | تجلّيهِ | البسيط | ٥ | (٧) ٥٦ |
| أستغفرُ | خجلِ | البسيط | ٢ | (٨) ٢٣٠ |
| إنّ القلوب | خجلِ | البسيط | ٤ | (٧) ٢٤٢ |
| كونُ | والكحلِ | البسيط | ٤ | (٣) ٣٦٣، ٣٦٤ |
| إذا كان | النحلِ | الطويل | ٤ | (٦) ٩٠ |
| لكلّ | تخلّيهِ | البسيط | ٤ | (٤) ٢٦٥ |
| إذا أنت | العدلِ | الطويل | ٢ | (٨) ٢١٦ |
| نصرةُ | خاذلِ | الرمل | ٦ | (٧) ٢٧٢ |
| أنا المقدّم | يغفر لي | البسيط | ٥ | (٨) ١٩ |
| أوصيك | الأزلِ | البسيط | ١١ | (٨) ١٢٧ |
| النور | بالأزلِ | البسيط | ٥ | (٨) ٤١ |
| علمُ | للرسلِ | البسيط | ٥ | (١) ٢٤٠ |
| جاء | المرسلِ | الكامل | ٣ | (٥) ١٢٣ |
| إذا وُضع | والفصلِ | الطويل | ٤ | (٦) ٢٧٢ |
| لو كان | ومنفعلِ | البسيط | ٨ | (٦) ٣ |
| ففي | عقلِ | الطويل | ٧ | (٥) ٤٢٧، ٤٢٨ |
| ألا إنّ | تنقّلِ | الطويل | ٩ | (١) ٣٥٩ |
| إن النوافل | كُلّها | الكامل | ٦ | (٣) ٢٥٠ |
| مثل | الشكلِ | السريع | ٢ | (٥) ٤٢٨، ٤٢٩ |
| أقول | قُلْ لي | الطويل | ١٧ | (٣) ٤٨٦، ٤٨٧ |
| فليس | بالكاملِ | المتقارب | ٤ | (٦) ٨٢ |
| أخلص | العملِ | البسيط | ٢ | (٨) ٢٢٩ |
| وصّى | العملِ | البسيط | ٢١ | (٨) ٢٣٤ |
| إذا حقّتْ | الوصولِ | الوافر | ٧ | (٥) ٨٣ |
| كبير | العقولِ | الوافر | ٢ | (٧) ٣٦٠ |
| فالأمر | ومنقولِ | البسيط | ٣ | (٨) ١٠١ |
| الابتداع | تنزيلِه | الكامل | ٣ | (٥) ١٤٧ |

## قافية الميم

### الميم الساكنة



### الميم المفتوحة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| لم يزل | العُلَمَا | الخفيف | ٢ | (٨) ٢٢٥ |
| فما خُلق | ليعلما | الطويل | ٣ | (٨) ٣٤ |
| يا كعبة | ثمّ مَهْ | السريع | ١٢ | (٢) ٤٦٩، ٤٧٠ |
| الكيف | بهما | البسيط | ٢ | (٨) ٦٥ |
| للنيّرين | لهما | البسيط | ٤ | (١) ١٧١ |
| منازل | وصلهما | البسيط | ٣ | (١) ٢٦٩ |
| أقسمتُ | وما | السريع | ٤ | (٥) ٢٠١ |
| بدرٌ | ومَا | البسيط | ٤ | (٤) ٢٧٦ |
| اصرغ | تكليما | البسيط | ٥ | (٧) ٢٧٩ |

## الميم المضمومة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| القطب | قدّامُهْ | البسيط | ٨ | (١) ٣٤٣ |
| من صورة | إقدامُ | البسيط | ٩ | (٣) ٣٧٣، ٣٧٤ |
| إن الشفاء | والأجسامُ | الكامل | ٣ | (٧) ٤٠٣ |
| ألا كلّ | ونظامُه | الطويل | ٥ | (٧) ٢٠٧ |
| إذا أُشهدتَ | والمقامُ | الوافر | ٥ | (٤) ١٨٥ |
| للعقل | أحكامُ | البسيط | ٤ | (٨) ١٨٦ |
| مقام | أحكامُ | البسيط | ٤ | (٦) ١٥، ١٦ |
| ما زهرةُ | أحكامُها | السريع | ٢ | (٨) ٢١٨ |
| تعانق | أحلامُ | البسيط | ٣ | (١) ١١٩ |
| بدا لكَ | ظلامُه | الطويل | ٤ | (٥) ٣١٨ |
| لا تَرُمْ | أعلامُ | البسيط | ٧ | (٥) ٣٠٧ |
| إلى حضرة | إمامُها | الطويل | ٣ | (٤) ٢٧٣ |
| إنّ الجليل | الأفخمُ | الكامل | ١٤ | (٧) ٣٦٨، ٣٦٩ |
| إنّ الرسالة | تستخدمُهْ | الكامل | ٤ | (٧) ٣٤ |
| لا تحسبنّ | قدمُ | البسيط | ٥ | (٧) ٢٨٥ |
| للاصطلام | تقدّمُ | الكامل | ٤ | (٤) ٢٤٠ |
| فقد | الذمُّ | الهزج | ٢ | (٨) ٤ |
| اللّه | لازمُ | الكامل | ٣ | (٣) ٢٧١ |
| إنّما | رسمُه | الرمل | ٤ | (٧) ١٩٢ |
| عجباً | ينقسمُ | المتدارك | ٦ | (١) ١٦٦ |
| بين | الأعظمُ | الكامل | ٧ | (١) ٣٤٦ |
| لمنازل | تحكّمُ | الكامل | ٣ | (١) ٢٦٧ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إذا كان | يتحكّمُ | الطويل | ٧ | (٧) ٢٣ |
| خُذْ | يحكمُ | مجزوء الخفيف | ٧ | (٧) ٢٥٨ |
| فالأمر | يحكمُ | السريع | ٣ | (٥) ٤٠٨ |
| فهو | يحكمُ | مجزوء الخفيف | ٣ | (٧) ٣٩١ |
| لوعةٌ | علموا | المديد | ٥ | (٤) ٢٢٥ |
| إذا كان | العلمُ | الطويل | ٦ | (٧) ٢٦٧ |
| فلا شيء | العلمُ | الطويل | ١ | (٥) ٤٠٩ |
| الشرك | تعلمُه | البسيط | ٢ | (٨) ٢٢١ |
| الشأن | يعلمُهُ | البسيط | ٣ | (٨) ٢٠٦ |
| خليفةٌ | نفوسهمُ | البسيط | ٢ | (٥) ١٢١، ١٢٢ |
| أنا | تفهموا | الرمل | ١٣ | (٣) ٤٨١ |
| وفي اللّبّ | يفهمُ | الطويل | ١ | (٥) ١٧٩ |
| ومن المنازل | متوهَّمُ | الكامل | ٢ | (١) ٢٦٩ |
| الريّ | معدومُ | البسيط | ٣ | (٤) ٢٧٠ |
| فقد رمتُ | أرومُه | الطويل | ٣ | (٨) ٣٤ |
| الحرث | مقسومُ | البسيط | ٦ | (٧) ٢٦٤، ٢٦٥ |
| إن اللطيف | موسومُ | البسيط | ٣ | (٤) ١٤٤ |
| العلم | موسومُ | البسيط | ٧ | (١) ٢٩٣، ٢٩٤ |
| إن الزمان | معلومُ | البسيط | ٧ | (١) ٤٣٨، ٤٣٩ |
| فحفظُ | معلومُ | مجزوء الوافر | ٢ | (٧) ٣٦٣ |
| لا شكّ | مفهومُ | البسيط | ٥ | (٧) ٣٢٧ |
| ما فاز | نُوَمُ | السريع | ٢ | (٣) ٥٠ |
| فلولا | الجحيمُ | الوافر | ٣ | (٧) ٤٠٢ |
| فما ثَمَّ | ورحيمُ | الطويل | ١ | (٧) ٧ |
| يعزُّ | لعظيمُ | الطويل | ٢ | (٢) ٤٤٦ |
| فهديُ | المستقيمُ | الوافر | ٣ | (٨) ٤٣ |

## الميم المكسورة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| وفي | إقدامِ | الطويل | ٢ | (٣) ٣١٢ |
| مقامات | كرامِ | الوافر | ٦ | (٦) ٢٣٢ |
| يطير | الكرامِ | الوافر | ٤ | (٦) ٢٧٨ |
| مهما | مقامِ | الكامل | ١٣ | (٧) ٩٧، ٩٨ |
| تبارك | والمَقامِ | مخلع البسيط | ٧ | (٧) ٢٨٧ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| في سبب | وإحكامِه | السريع | ٣ | (١) ١٥٣ |
| تنوّعَ | واللامِ | الطويل | ٤ | (٣) ٣١٠ |
| منازلةٌ | الغلامِ | الوافر | ٢ | (٨) ٢٣١ |
| قال | كلامي | مخلع البسيط | ٦ | (٢) ٣٦٦ |
| فما نظرتْ | كلامِه | الطويل | ٣ | (٤) ١٣٣ |
| أجوعِ | الصيامِ | الوافر | ٣ | (٢) ٣٧٦ |
| لولا | العدمِ | البسيط | ٥ | (٦) ٣٧٩ |
| أوحى | قَدَمِ | البسيط | ٧ | (٣) ٣٨٤ |
| لولا | قدمِ | البسيط | ٤ | (٧) ١٠٣ |
| لما تعلّق | القِدَمِ | البسيط | ٣ | (٣) ٢٧٧ |
| إنّ الأدلّة | الحرمِ | البسيط | ٢ | (٨) ٢٢٩ |
| منزل | الكرمِ | المديد | ٣ | (٦) ٣٨١ |
| نواشيء | بالكرمِ | البسيط | ٥ | (٧) ٨٨ |
| يا طالبًا | فالتزمِ | البسيط | ١ | (١) ١٠٢ |
| إذا كنتَ | القواصِمِ | الطويل | ٥ | (٤) ٣٧٤ |
| إذا كان | الضّمِّ | الطويل | ٤ | (٥) ٣٢٩ |
| ما كلّ | حكمِ | البسيط | ٥ | (٦) ١٧ |
| فحكمةٌ | الحُكْمِ | السريع | ٤ | (٢) ٤٤٨ |
| إنّما | الحِكَمِ | الخفيف | ٣ | (١) ٣٩٥ |
| الفتح | الحِكَمِ | البسيط | ٥ | (٥) ٢١٧ |
| لَوَ انّ | الحِكَمِ | الهزج | ٣ | (١) ٤٢٤ |
| الافتتان | بحكمِه | الكامل | ٦ | (٧) ٢٢٧، ٢٢٨ |
| الذاكرون | العالمِ | الكامل | ٥ | (٧) ٢٦٣ |
| إن الرجاء | علمِ | البسيط | ٤ | (٣) ٢٧٨ |
| كم بَيْن | علمِه | السريع | ٦ | (٥) ٢٨٥، ٢٨٦ |
| تجارتْ | العلمِ | الطويل | ٦ | (٤) ٣٨٠ |
| القلب | العلمِ | البسيط | ٥ | (٨) ١٠٠ |
| انظر | المعلّمِ | الكامل | ١٤ | (١) ١٨١، ١٨٢ |
| من يستمع | كَلِمِهْ | الوافر | ٥ | (٧) ١٥٤ |
| معدن | الكَلِمِ | المديد | ٦ | (٥) ٣٥٧ |
| إن الوعيد | الأقومِ | الكامل | ٣ | (١) ٢٧٢ |
| إذا هُيّئت | الكريمِ | الوافر | ٧ | (٧) ٢٦٢ |
| ليس | شيمي | البسيط | ٢ | (٨) ٢١٠ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|

## قافية النون

### النون الساكنة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| عنديّةٌ | خزائنْ | مخلع البسيط | ٨ | (٥) ٢٨٦، ٢٨٧ |
| لا تخونوا | تُخانْ | الرمل | ٦ | (٧) ٢٠٤ |
| الدهر | أمانْ | المجتث | ٢ | (٧) ٣٨٩ |
| دثِّروني | الحسنْ | الرمل | ١١ | (٥) ٦٠ |
| وجود | عَنْهُ | الوافر | ٣ | (٤) ٢٤٩ |
| فلولا | تكنْ | الطويل | ٣ | (٦) ١٠١ |
| لا تبسمل | يكنْ | مجزوء الخفيف | ٢ | (٨) ٦٤ |
| إذا كان | يكنْ | المتقارب | ٦ | (٤) ١٩٥، ١٩٦ |
| من قَدر | مِنْهُ | مخلع البسيط | ٣ | (٦) ٣٧ |
| كَبُرَ | فمنْ | الرمل | ٤ | (٧) ١٨٦ |
| للّه | المهيمنْ | المجتث | ١ | (٧) ٣٦٠ |
| عدم | تكونْ | الرمل | ٤ | (٤) ٢٧١ |
| نظرتُ | فتكونْ | البسيط | ٨ | (٢) ٥١١، ٥١٢ |
| إنّما | يملكون | مجزوء الخفيف | ٥ | (٧) ١٣٩ |
| إذا كان | يكونْ | الوافر | ٥ | (٧) ٤١٢ |
| فقد | يجهلونْ | المتقارب | ٨ | (٧) ٢٠٣ |
| يا كعبة | المكرمونْ | السريع | ١٤ | (١) ٨٣ |
| مَرَجَ | شيئينْ | الخفيف | ٥ | (١) ٢٠١، ٢٠٢ |
| النفس | يبينْ | مخلع البسيط | ٥ | (٤) ٢٩٥ |
| بسملةُ | عَيْنْ | السريع | ٩ | (١) ١٥٧، ١٥٨ |
| من يفهم | عَيْنْ | السريع | ٦ | (٧) ٣٦، ٣٧ |

### النون المفتوحة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إنّ العظيم | أنا | المنسرح | ٣ | (٧) ٣٥٣، ٣٥٤ |
| أنا | وآنا | مخلع البسيط | ٥ | (٦) ٣٤٢ |
| إن الجمال | بانا | البسيط | ٣ | (٤) ٢٥٣ |
| مسكتك | سبحانا | الطويل | ٢٣ | (٢) ٣٨٣، ٣٨٤ |
| مسكتك | سبحانًا | الطويل | ٧ | (٣) ٤٨٢ |
| إنْ تكن | إنسانا | مجزوء الرمل | ٥ | (٨) ٣٣٨ |
| إذا جمعتَ | وفرقانا | البسيط | ٦ | (٤) ٢١٩، ٢٢٠ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| بل | عينا | مخلع البسيط | ١ | (٤) ٤٦ |
| لقد | أجمعينا | الوافر | ١ | (٦) ٣٦٩ |
| إذا عزّتْ | فينا | الوافر | ٤ | (٤) ١٩٧ |
| فمن | فينا | مجزوء الرمل | ١١ | (٧) ٢٣٤ |
| حكمُ | فينا | البسيط | ٥ | (٧) ٨ |
| إنّ خوف | وفينا | الخفيف | ٣ | (٧) ٢٢، ٢٣ |
| إنّه | وفينا | مجزوء الرمل | ٢ | (٧) ٣٣٥ |

## النون المضمومة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| للحقّ | قرآنُ | البسيط | ٣ | (١) ١٢٠ |
| من يشهد | رجحانُ | البسيط | ٥ | (٧) ١٧٣ |
| لكلّ | ورجحانُ | البسيط | ٥ | (٧) ١٨١ |
| إذا تعدّت | خسرانُ | البسيط | ٥ | (٧) ٢٤٧ |
| إنّ الركون | خسرانُ | البسيط | ٦ | (٧) ٢٤٩ |
| الشرع | وأوزانُ | البسيط | ١٠ | (٧) ١٩٦ |
| إن المحقّق | إنسانُ | البسيط | ٦ | (١) ٣٢٣ |
| حضرةُ | إنسانُ | الرمل | ٢ | (٧) ٣٨٨ |
| إن التواجد | وسلطانُ | البسيط | ٤ | (٤) ٢٤٦ |
| رأيتُ | وإيمانُ | الطويل | ٧ | (٥) ٢٥٩ |
| فلولا | برهانُ | الطويل | ٧ | (٦) ٢٧٦ |
| نُورُ | وبرهانُ | البسيط | ٥ | (٥) ٤٠٥ |
| لرؤيتنا | أكوانُ | الطويل | ٣ | (٥) ٣٢٧ |
| توجُّهُ | عنوانُ | البسيط | ٧ | (٤) ١٩ |
| تَخَاصُمُ | ونسيانُ | البسيط | ٨ | (٥) ٣٨ |
| مقام | العيانُ | الوافر | ٧ | (٧) ٢٤٣، ٢٤٤ |
| ألا إنّ | الشؤونُ | الوافر | ٥ | (٨) ٢٦ |
| تَرْكُ | دُونُ | المجتث | ٣ | (٥) ٢٢٩، ٢٣٠ |
| فلولا | كونُ | الوافر | ١ | (٦) ١٤٤ |
| فهكذا | كونُهْ | السريع | ٢ | (٧) ١٤٨ |
| كن | أكوانُ | المجتث | ١ | (٧) ٩١ |
| الخلقُ | تتكوّنُ | الكامل | ٧ | (٦) ٣٧٦ |
| فرغنا | تتكونُ | الطويل | ٦ | (٧) ١٧ |
| جاء | يكونُ | مخلع البسيط | ٣ | (٢) ٣٦٥ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| شوق | يكونُ | الكامل | ٥ | (٣) ٥٤٥ |
| فيتبع | يهونُ | مخلع البسيط | ١ | (٧) ٢٦٩ |
| ما ثَمّ | مبينُ | مخلع البسيط | ٢ | (٦) ١٤٦ |
| وغير | مبينُ | مخلع البسيط | ٢ | (٦) ١٧٣ |
| إنْ قلتُ | المتينُ | المجتث | ٢ | (٧) ٤١٤ |
| فعينُ | عينُه | الوافر | ٢ | (٦) ٢٥٥ |
| وفي كلّ | عَيْنُه | المتقارب | ١ | (١) ٤١٠ |
| اليثربيّ | يعيّنُه | البسيط | ٤ | (٧) ١١٠ |
| التاء | تلوينُ | البسيط | ٤ | (١) ١١٣ |
| في الظاء | تعيينُ | البسيط | ٣ | (١) ١١٦ |

## النون المكسورة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| تركُ | القرآنِ | الكامل | ٦ | (٣) ٣٤٠ |
| فمن كان | الكوائنِ | الطويل | ١ | (٧) ١١ |
| إن الحسيب | الحسبانِ | الكامل | ٣ | (٧) ٣٦٦ |
| توحيد | الثاني | البسيط | ٩ | (٧) ٤٣، ٤٤ |
| فالربّ | بثانِ | الكامل | ٢ | (٤) ٣٨ |
| أحببتُ | وروحاني | البسيط | ٩ | (٣) ٤٨١ |
| إن النساء | والأبدانِ | الكامل | ٦ | (٥) ١٢٧ |
| فكان | التداني | المجتث | ٢ | (٦) ٣٦١ |
| والروح | خذّانِ | الكامل | ١ | (٣) ٥٢٤ |
| في القلب | عقدانِ | الكامل | ٥ | (٦) ٢٠٤ |
| ولما | يدانِ | الطويل | ١٣ | (٣) ٤٨٢، ٤٨٣ |
| من رآني | يراني | الخفيف | ٦ | (٧) ٨٠، ٨١ |
| يا من | يراني | مخلع البسيط | ١ | (٤) ١٧٩ |
| وما أنا | إحسانِ | البسيط | ٢ | (٦) ٢٣٤ |
| إن المقرّب | وإحسانِ | البسيط | ٣ | (٥) ١٥٢ |
| والهوى | لسانِ | الخفيف | ١ | (٣) ٧٠ |
| فداء | إنسانِ | الطويل | ٤ | (٢) ٣٢٠، ٣٢١ |
| العبد | شاني | البسيط | ٤ | (٧) ٢٥٦ |
| نشأتْ | السلطانِ | الكامل | ٦ | (١) ١٨٧ |
| إن المتانة | معانيها | البسيط | ٤ | (٧) ٤١٤، ٤١٥ |
| خرج | الأماني | الرمل | ٧ | (٣) ١٩٥ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إذا كان | بأزمانِ | الطويل | ٥ | (٧) ٣٨٩ |
| إذا رأيتَ | وإيمانِ | البسيط | ٥ | (٧) ٣٨٨، ٣٨٩ |
| الحمدُ | الهيمانِ | الكامل | ٢٥ | (٦) ٢١٩، ٢٢٠ |
| وَرَعُ | وجهانِ | الكامل | ٣ | (٣) ٢٦٣ |
| ما أن | بالبرهانِ | الكامل | ٧ | (٧) ٤٨ |
| أنا | الأواني | الوافر | ٥ | (١) ٢٤ |
| لولا | إخواني | البسيط | ٦ | (٢) ٤٠٧ |
| فكلّ | إخوانِه | البسيط | ١٠ | (٢) ٥٠٧ |
| اللّه | وسوّاني | البسيط | ٣ | (٦) ٢٣٤ |
| علمُ | الأكوانِ | الكامل | ٤ | (٤) ٢٩٨ |
| فالحال | بالأكوانِ | الكامل | ١ | (٦) ١٩ |
| فهكذا | بالبيانِ | مخلع البسيط | ٨ | (٦) ٣٤٨، ٣٤٩ |
| ولا معنى | العيانِ | الوافر | ١ | (٣) ٤٤٣ |
| جميع | الكياني | الطويل | ٣ | (٧) ٣١٨ |
| إذا نحن | نُثني | الطويل | ١ | (٥) ١٩٧ |
| لذّةٌ | يجني | الخفيف | ٣ | (٨) ٢٢٦ |
| وقد | وقيّدني | البسيط | ٨ | (٦) ٢٧٧ |
| ملّكتني | أكُنِ | البسيط | ٢ | (٧) ٦٧ |
| إليّ | منّي | مخلع البسيط | ٥ | (٦) ٣٦٠ |
| إنّ الإمام | منّي | البسيط | ٢ | (٨) ٣٠ |
| معطي | بالمؤمنِ | الكامل | ٢ | (٧) ٣٠٠ |
| لا تطلبن | فإنّني | مجزوء الكامل | ٤ | (٧) ٦٥ |
| لكلّ | كونِه | السريع | ٥ | (٧) ٢٨٦ |
| إنّما | لكونِه | مجزوء الخفيف | ٦ | (١) ٣٩٧ |
| تقرّرت | الكمونِ | الوافر | ٣ | (١) ٢٧١ |
| من شهد | فنونِه | مخلع البسيط | ٦ | (٥) ٣٣٣ |
| إذا احتضر | بعينِهْ | الطويل | ٧ | (٧) ١٧٧ |
| صحاف | وعينِ | المضارع | ٨ | (٦) ٢٨٧ |
| دليلي | يكفيني | مجزوء الوافر | ٨ | (٦) ٧٤، ٧٥ |
| ومستخبر | يقينِ | الطويل | ٢ | (٣) ٣١ |
| ملائكةٌ | اليقينِ | الوافر | ٢٨ | (٣) ٥، ٦ |
| شمس | تُفنيني | البسيط | ٤ | (٤) ٣٩١ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إنّ التواقيع | يعطيها | البسيط | ٤ | (٧) ٣٨ |
| فالنار | تُطفيها | البسيط | ٤ | (٦) ١٣٥ |
| إن المتانة | معانيها | البسيط | ٤ | (٧) ٤١٤، ٤١٥ |
| والحقّ | يثنّيها | البسيط | ٤ | (٦) ٩٣ |

## الهاء المضمومة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| فعينُ | رآهُ | الوافر | ١ | (٣) ٥٤٠ |
| إذا تجلّى | أراهُ | المجتث | ٢ | (١) ٤٦٠ |
| إنّ البصير | تراهُ | مخلع البسيط | ٣ | (٧) ٣٤٣ |
| فالحقّ | تراهُ | الكامل | ٣ | (٧) ٢٠٨ |
| قلوب | تراهُ | الوافر | ٤ | (٤) ٢٨ |
| فما في | دَرَاهُ | الوافر | ٣ | (٧) ١٨١ |
| فما ثَمَّ | يراهُ | الطويل | ١ | (٦) ٥٣ |
| إنّ الإله | نغشاهُ | الكامل | ٥ | (٨) ٢٠٧ |
| إنّ الوجود | إلاّ هُو | البسيط | ٨ | (٨) ١٤٨ |
| إن الوجود | إلاّ هُو | البسيط | ١٠ | (٣) ٤٨١، ٤٨٢ |
| ولا يكمل | إلاّ هُو | المتقارب | ٢ | (٤) ٤٨ |
| فللّه | إلا هُو | الطويل | ١ | (٧) ٢٨٩ |
| إن الوليّ | ولاّهُ | البسيط | ٥ | (٧) ٤١٥ |
| أين | ما هُو | البسيط | ٣ | (٣) ٢٣٥ |
| ما في | ما هُو | البسيط | ٥ | (٧) ٤٢ |
| نَسَبُ | ما هُو | الخفيف | ٦ | (٧) ١٠١ |
| كيف | معناهُ | البسيط | ٤ | (٦) ٢٥٣ |
| في الزاي | مغناهُ | البسيط | ٣ | (١) ١١٥ |
| من يشتهي | اشتهاهُ | مخلع البسيط | ٤ | (٥) ٣٢٨ |
| ما جزا | سواهُ | الخفيف | ٢ | (٨) ١٨٩ |
| هكذا | سواهُ | مجزوء الخفيف | ٢ | (٧) ٩٧ |
| وذاك | سواهُ | الطويل | ٢ | (٧) ٥٩ |
| فليس | إيّاهُ | المجتث | ٣ | (٦) ٣٧٠ |
| عَبْدُ | تيّاهُ | البسيط | ٣ | (٣) ٣٤١ |
| فلولا | الإلَهُ | الوافر | ٣ | (٦) ٣٠١ |
| اللّه | يحجبُهُ | البسيط | ٤ | (٨) ٢٠٨ |
| فإن لم | تَرَهُ | المضارع | ٥ | (٨) ٢٥ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| لا تقتحم | يَسَّرَهُ | البسيط | ٣ | (٨) ٢٢٣ |
| لا يترك | يذكرُهُ | البسيط | ٥ | (٣) ٣٤٥، ٣٤٦ |
| من درى | كيف هُو | مجزوء الخفيف | ٢ | (٧) ١٢١ |
| اللّه | اللّهُ | البسيط | ٣ | (٧) ٢٨٩ |
| إنّي | اللّهُ | البسيط | ٤ | (٨) ٤٠ |
| شهد | اللّهُ | الخفيف | ٦ | (١) ٤٩١ |
| عجبتُ | اللّهُ | الطويل | ٦ | (٥) ٢٧٦، ٢٧٧ |
| لا يفرح | اللّهُ | السريع | ٦ | (٧) ٣٢٩ |
| الشأن | يعلمُهُ | البسيط | ٣ | (٨) ٢٠٦ |
| وجودُ | عَنْهُ | الوافر | ٣ | (٤) ٢٤٩ |
| إذا قلنا | منْهُ | الوافر | ٦ | (٦) ٣٦٥ |
| ما هو | منهُ | مخلع البسيط | ١ | (٨) ٨٦ |
| من قدر | مِنْهُ | مخلع البسيط | ٣ | (٦) ٣٧ |
| فله | عقلُوهُ | الخفيف | ٢ | (٧) ٣٩٨ |

## الهاء المكسورة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| والعلمُ | بالسّاهي | البسيط | ٢ | (٢) ٥١٠ |
| وَخُذْ | اللاّهي | البسيط | ٥ | (٨) ١٣، ١٤ |
| لمّا | باللاّهي | الكامل | ٤ | (١) ٢٥ |
| الحبّ | ما هِي | البسيط | ٥ | (٣) ٤٨٠ |
| منازل | تناهي | مخلع البسيط | ٣ | (١) ٢٦٤ |
| إن الحياء | فبهِ | البسيط | ٤ | (٣) ٣٣٧ |
| فكما | نحن بِهِ | الرمل | ٢ | (٧) ٢٠٠ |
| ألا إنما | صفاتِهِ | الطويل | ٥ | (٨) ٣٥ |
| وقد | تنتهِ | السريع | ٤ | (٦) ٣٢٨ |
| كرمُ | موجدِهِ | الرمل | ٢ | (٨) ٢١٦ |
| إنّ الإمام | لعبيدِهِ | الكامل | ٢ | (٨) ٦٣ |
| عفوتَ | بدارِهِ | الطويل | ٥ | (٨) ٢٧ |
| لا تقنعنّ | الشرهِ | البسيط | ٣ | (٣) ٢٩٨ |
| انظر | اللّهِ | البسيط | ٤ | (٦) ١٩٨ |
| لا تعتمد | اللّهِ | السريع | ٢ | (٨) ٢٥٣ |
| من يعظم | اللّهِ | مجزوء الرمل | ٥ | (٧) ١٧٠ |
| إن الرجوع | باللّهِ | البسيط | ٥ | (٥) ٣٣٢ |

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| من تجلّى | إلَيْهِ | الخفيف | ٢ | (٣) ٢٩٢ |
| النور | تجلّيهِ | البسيط | ٥ | (٧) ٥٦ |
| لكلّ | تخلّيهِ | البسيط | ٤ | (٤) ٢٦٥ |
| إنّ أرض | عَلَيْهْ | المديد | ٨ | (٧) ٢٣٢ |
| حضرةُ | عَلَيْهْ | مخلع البسيط | ٢ | (٧) ٤١٥ |
| فمنه | علَيْهْ | المتقارب | ١ | (٧) ٣١ |
| فمنه | عَلَيْهْ | المتقارب | ٣ | (٧) ١٦٣ |
| فلولا | أمليهِ | الطويل | ٤ | (٥) ٣٦٣، ٣٦٤ |
| والحقّ | يثنّيها | البسيط | ٤ | (٦) ٩٣ |
| إنّ المكمّل | يحويهِ | البسيط | ٥ | (٥) ٣٢١ |

## الياء المفتوحة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| بالصدق | رؤيَا | البسيط | ٥ | (٤) ٦ |
| الخوض | عمايَهْ | المجتث | ٢ | (٨) ٢٢٥ |
| عجبًا | ساريَهْ | الكامل | ٤ | (١) ٢٦٢ |
| ظهرتْ | دانيَهْ | الكامل | ٣ | (١) ٢٦٨ |
| ألا إنّ | لنيَّهْ | الوافر | ٤ | (٤) ٣٣٧ |
| ألا إن | لنيَّهْ | الوافر | ٨ | (٣) ٣٨٦ |
| حتى | إلاّ هيَ | الكامل | ١ | (٤) ٢٦٥ |

## الياء المضمومة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| قد استوى | شيٌّ | السريع | ٤ | (٧) ٣ |
| مجاور | حقيقيُّ | الطويل | ١١ | (١) ٣٥٤ |

## الياء المكسورة

| المطلع | القافية | البحر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إنما المحيي | طيٍّ | المديد | ٥ | (٨) ٨ |
| الشرب | والطّيِّ | البسيط | ٥ | (٤) ٢٦٧، ٢٦٨ |
| حرّم | وليّ | الخفيف | ٦ | (٤) ٤٤٧ |

# ب ـ مجزوء الرجز

| المطلع | القافية | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|
| العبد | أكملَهْ | ٧ | (٧) ٩٣ |
| لها | ما لَها | ١٠ | (٨) ١٣٥، ١٣٦ |
| لستَ | هُو هُو | ٦ | (٢) ١٧٦ |
| فلم يكن | إلاّ بِهِ | ٣ | (٧) ٣١ |

# ج - الأرجاز

| الرجز | | الجزء والصفحة |
|---|---|---|
| **قافية الألف** | | |
| إذا نَهَيْتَ النَّفسَ عن هَواها | كانت لها جَنَّاتُهُ مَأواهَا | |
| بها حباها الله إذْ خَبَاها | وكان في فِرْدَوْسِه مَثْوَاهَا | |
| أقسمتُ بالشمس التي أجرَاها | قَسَمًا وبالبَدْرِ إذا تَلاَهَا | |
| ولَيْلِهِ المُظْلِمِ إذ يَغْشَاها | وبالنهار حين ما جَلاّها | |
| وحِكْمَةِ الله التي أخفاها | عن العيون حين ما أبداها | |
| وبالسمٰواتِ ومن بَنَاها | وفَوْقَ أرْضٍ فَرْشِهِ عَلاّها | |
| لتَبْلُغُنَّ اليَوْم مُنْتَهَاهَا | حتى تراها بلغتْ مُنَاها | |
| حين رأت ما قَدَّمَتْ يداها | من كل خَيْرٍ منه قد أتاها | |
| بأطعمة قد بَلَغَتْ إنَاهَا | ما كان أحلاها وما أشهاها | (٨) ٢١١ |
| **قافية التاء** | | |
| الخاءُ مهما أقبلَتْ أو أدبرتْ | أعطتْكَ من أسرارها وتأخَّرَتْ | |
| فعُلُوُّها يهوى الكيانَ وسفلُها | يهوى المكوّنَ حكمةً قد أظهَرَتْ | |
| أبدى حقيقتَها مخطَّطُ ذاتها | فتدنَّستْ وقتًا وثَمَّ تطهَّرَتْ | |
| فاعجبْ لها من جنةٍ قد أُزْلِفتْ | في سفلِها ولهيبَ نار سعَّرَتْ | (١) ١٠٨ |
| فَخَفْ مقامَ الرَّبّ إنْ أَضَفْتَه | ولا تَخَفْ منه إذا عَرَفْتَهُ | |
| فلا يخافُ الرَّبَّ غَيْرُ مُقيَّدٍ | أطْلَقْتَهُ إن شئتَ أو أَضَفْتَهُ | |
| فإنّه عَيْنُ الذي تشهدُه | فكُنْ به الموصوفَ إن وَصَفتَهُ | |
| لا تَقْتصِرْ على الذي أشْهدتَهُ | ولا تَزِدْ في الكشف إن كَشَفتَهُ | |
| فكن به ولا تكن أيضًا به | فذا هو الإنصاف إن أنْصَفْتَهُ | (٧) ٢٤٥ |

| الرجز | | الجزء والصفحة |
|---|---|---|
| مـا يـتـقـي الله سـوى جـامـعٍ | لكل ما في الكون من حكمتِهِ | |
| فـيـتَّـقـي الـنـقـمـةَ فـي نـعـمـتـهِ | ويـتـقـي الـنِّـعـمـةَ فـي نـقْـمـتِـهِ | |
| فـكـلُّ مـا فـي الـكـون من ظاهـرٍ | وبـاطـنٍ فـيـه فـمـن نـغْـمَـتِـهِ | |
| وهـي الـتـي أسْـبَـغَـهـا مِـنَّـةً | مـنـه عـلـى الـمـخـتـار مـن أمَّـتِـهِ | |
| فـكـل مـا يُـجْـريـه سـبـحـانـه | مـن كـل مـا يـقـضـي فـمـن هِـمَّـتِـهِ | (٣) ٢٣٦ |

## قافية الجيم

| | | |
|---|---|---|
| لـولا وُجُـودُ الـكَـوْنِ في الـمَـعَـارجِ | ما لاح عَـيْـنُ الـحَـرْفِ بـالـمَـخَـارجِ | |
| أخـرجـه ضَـرْبُ مـثـالٍ لـلـذي | قـد ارْتَـقَـى فـي رُتَـبِ الـمَـعَـارج | |
| فـالـنَّـفَـسُ الـدارجُ فـي طـريـقـه | يـبـيـنُ عـن مـنـازل الـمَـدَارجِ | (٧) ٩٥، ٩٦ |

## قافية الدال

| | | |
|---|---|---|
| من يُوْقَ شَحَّ نفسه فهو الذي | بـنـوره فـي كـل أمـر يُـهْـتَـدَى | |
| وغَـيْـرَةُ الـعـبـد إذا حـقَّـقْـتَـهـا | شُحٌّ طبيعيٌّ من أسباب الرَّدَى | |
| وغَـيْـرَةُ الـحـقِّ إذا عَـلِـمْـتَـهـا | مـن رؤيـة الـغَـيْـر ولا غـيـرٌ بَـدَا | |
| فـلا تَـقُـلْ بـغَـيْـرة فـإنـهـا | مشتقَّةٌ من غير فاتركها سُدَى | |
| وأيـن عـيـنُ الـغـيـر وهـو عَـدَمٌ | فاسلُكْ هُدِيْتَ الرُّشْدَ أسبابَ الهُدَى | |
| وانسُبْ إلى الباريء ما قال وما | جـاء بـه شَـرْعٌ ولـكـن ابْـتَـدَا | |
| ممّا لَوَ آنَّ العقلَ يبقى وحدَهُ | مـا قـالـه مـعـتـقـدًا وقـدّدا | |
| فـإن يـكـن بَـعْـدُ سـؤالٌ قـالـه | فـهـو دواءٌ وهـو بـالـبـرهـان دا | |
| فـالـحـقُّ مـا قـرّره الـشـرعُ ولـو | دلَّ عـلـى كـل مُـحَـالٍ وبَـدا | |
| فـالـمـؤمـنُ الـحـقُّ بـهـذا مـؤمـنٌ | وكـل مـن أوّلَـهُ قَـدِ اغـتَـدَى | |
| لأنـه ظـنٌّ وبـعـضُ الـظـنِّ قـد | يـكـون إثـمًـا قـائـدًا نـحـو الـرَّدَى | (٣) ٣٧٠ |

## قافية الراء

| | | |
|---|---|---|
| انـظـر إلـى نـوح وعـاد واعـتـبـرْ | فـي صـالـح وثـم لـوط وافـتـكـرْ | |
| وقـلْ لـهـم قـول شـفـيـق نـاصـح | ونـادهـم هـل فـيـكـم مـن مـدّكـرْ | |
| ولـيـس فـي الـكـون وجـود غـيـره | ولـيـس فـي لـيـس وجـود مـسـتـقـرّ | |
| فـهـو لـه لـيـس لـنـا وهـو لـنـا | لـيـس لـه بـوجـه كـونٍ مـسـتـمـر | |
| أيـن الـذي لاح لـنـا مـن صـورٍ | قـد ذهـبـت وأعـقـبـتـهـا مـن صُـوَرْ | |

| الرجز | | الجزء والصفحة |
|---|---|---|
| لو ذهبت في الغيب زال عينُه | وكان مشهوداً لعينٍ وبصرْ | |
| أو عدمت وما أرى من عدم | يقوم بالكون الكون له ظهر | |
| وما بدا من عدم لكنه | من كون حق ظاهر لا يستتر | (٥) ١٦٢، ١٦٣ |
| ما لَفظةٌ يقولها كلُّ الورى | عندَ الصباحِ يَحْمَدُ القوم السُّرَى | |
| ما تَرَى في قَوْلهم يا مَنْ يَرَى | كلَّ الأنام في الأمام والورَا | |
| قد خابَ في أنبائه مَنِ افْتَرَى | على الإلهِ عالمًا بما جَرَى | (٤) ٣٠٥ |
| فكلّ من يشهده تنوّرُهْ | تنويرها إياه ما تصوّرُهْ | |
| فيه وحكم الأمر ما تقرّرُه | تعطي الذي تعطي وما تكررُه | |
| وأنها من لطفها ما تشعرُه | بأنها هي التي تبصّرُه | (٨) ١٠ |
| فليس إلاّ الواحدُ الكَثِيرُ | بمثل هذا تشهدُ الأمورُ | |
| فانْظُرْ إذا ما جاءك الغَرُورُ | حَقّاً بلا شَكّ له النَّذيرُ | |
| وكل ما تقوله فَزُورُ | تضيقُ من سماعه الصُّدُورُ | (٦) ٢٧٥ |
| لو أن من عَرَّفَني مِقْداري | يبدو لنا ما كنت بالمِكْثَارِ | |
| إنْ اقْتِدَاري في كَيَانِ الباري | أعظم عندي من دُخُول النَّارِ | |
| ولو أتى بالعَسْكر الجرّارِ | أتَيْتُهُ به وبالأبْرارِ | |
| في عُصْبَةٍ وسَادَةٍ أخْيَارِ | معصومةٍ محفوظةِ الآثارِ | |
| يَمِيزُني عند دخول الدارِ | عن العَبِيد الصُّمّ والأخرارِ | (٨) ١٧ |
| الغَيْنُ مثلُ العين في أحوالهِ | إلا تَجَلِّيه الأَطَمّ الأخْطَرِ | |
| في الغينِ أسرارُ التجلِّي الأقهرِ | فاعرفْ حقيقةَ فَيْضِه وتَسَتُّرِ | |
| وانظرْ إليه من ستارةِ كَوْنِه | حَذَرًا على الرَّسْم الضعيفِ الأحْقَرِ | (١) ١٠٨ |
| تقلدوا الفكر على قصوره | وما استضاؤوا ساعة بنورهِ | (٤) ١٩٦ |

## قافية السين

| | | |
|---|---|---|
| مَنْ طَهَّرَ النَّفْسَ التي لا تنجلي | أعْلامُها فينا يَكُنْ قُدُوسَا | |
| ويُرَدُّ مَلَكًا طاهرًا ذا عِفَّةٍ | من كان في تصريفه إبليسا | (٧) ٢٩٦ |

## قافية الطاء

| | | |
|---|---|---|
| به رَباطي وبناء رِبَاطُه | فَهْوَ صراطي وأنا صِرَاطُه | |
| فانْظُرْ مقالي فهو قولٌ صادقٌ | مُحْكَمٌ مُحَقَّقٌ مَنَاطُه | |
| فهو حبيبي وأنا به فقد | حواه قلبي فأنا فُسْطَاطُه | |

| الرجز | | الجزء والصفحة |
|---|---|---|
| عَـزَّ فـمـا تـدركُـه أبـصـارُنـا | لـقـربـه فـقـد طُـوِي بـسَـاطُـه | |
| فـبُـعْـدُه لـقُـرْبـه لـيـس سـوى | هـذا ومـا قـد قـلـتُـه اسْـتِـنْـبَـاطُـه | (٦) ١٧٢، ١٧٣ |

## قافية العين

| | | |
|---|---|---|
| في السين أسرارُ الوجود الأربعُ | ولـه التَّحقُّقُ والـمـقـامُ الأرْفَـعُ | |
| من عالم الغيبِ الذي ظهرتْ بهِ | آثـارُ كـونٍ شـمـسُـهـا تـتـبَـرْقَـعُ | (١) ١١٥، ١١٦ |

## قافية اللام

| | | |
|---|---|---|
| فـمـن خـلا ولـم يـجـدْ فـمـا خـلا | فهي طريقٌ حكمها حكم البلا | (٣) ٢٢٥ |
| يـعـامـل الـحـقّ بـمـا يُـعَـامـلُ | فـاحْـذَرْ فـمـا أنـت لـه مُـقَـابـلُ | |
| وكُـنْ لـه عَـيْـنًـا ولا تَـكُـنْ بـه | فـإنـه لـيـس لـه مُـمَـاثِـلُ | |
| مـن حـارب الله يـرى صَـرْعَـتَـهُ | بـعـيـنـه فـالـبَـطَـلُ الـمُـنَـازِلُ | |
| هـو الـذي يـرمي الـسـلاح والـذي | لـه مـن الله بـه الـمَـنَـازلُ | |
| قـد قـال طَـيْـفُـورٌ بـأن بَـطْـشَـهُ | أشَـدُّ والـقـول بـذاك نَـازِلُ | |
| فـكـونـه فـيـنـا وجـودٌ ثـابـتٌ | وكـونُـنـا فـيـه وُجُـودٌ حـاصـلَ | (٧) ٦١ |

## قافية الهاء

| | | |
|---|---|---|
| إذا نَـهَـيْـتَ الـنَّـفْـسَ عـن هَـواهـا | كـانـت لـهـا جَـنَّـاتُـهُ مَـأْواهَـا | |
| بـهـا حـبـاهـا الله إذْ حَـبَـاهـا | وكـان فـي فِـرْدَوْسِـه مَـثْـوَاهَـا | |
| أقسمت بالشمس التي أجرَاها | قَـسَـمًـا وبـالـبَـدْرِ إذ تَـلاَهَـا | |
| ولَـيْـلِـهِ الـمُـظْـلِـمِ إذ يَـغْـشَـاهـا | وبـالـنـهـار حـيـن مـا جَـلاّهـا | |
| وحِـكْـمَـةِ الله الـتـي أخـفـاهـا | عـن الـعـيـون حـيـن مـا أبْـداهـا | |
| وبـالـسـمٰـواتِ ومـن بَـنَـاهـا | وفَـوْقَ أرْضٍ فَـرْشِـهِ عَـلاّهـا | |
| لـتَـبْـلُـغُـنَّ الـيَـوْمَ مُـنْـتَـهَـاهَـا | حـتـى تـراهـا بـلـغـتْ مُـنَـاهـا | |
| حـيـن رأت مـا قَـدَّمَـتْ يـداهـا | مـن كـل خَـيْـرٍ مـنـه قـد أتـاهـا | |
| بـأطـعـمـة قـد بَـلَـغَـتْ إنَـاهَـا | مـا كـان أحـلاهـا ومـا أشـهـاهـا | (٨) ٢١١ |
| ومـن يـكـن عـلـى الـذي وصّـيـتـه | كـان بـمـا أوصـيـتـه مـنـتـبـهـا | |
| فـكـنْ لـه مـن ذاتـه مـنـزّهـا | وكـنْ لـه مـن نـفـسـه مـشـبِّـهـا | (٦) ١٩٩ |

# ٦ . فهرس الأشعار التي استشهد بها المؤلّف

## أ ـ الشعر

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| | | **قافية الألف اللينة** | | |
| الهُدَى | المتقارب | عيسى بن عبد العزيز السعلبوس | ٧١ | (٢) ٥٥٤ ـ ٥٥٦ |
| المصطفى | المتقارب | - | ١٠ | (٢) ٥٥٤ |
| | | **قافية الهمزة** | | |
| وراءَها | الطويل | قيس بن الخطيم | ١ | (٧) ٣٩ |
| أدلآءَ | البسيط | علي بن أبي طالب القيرواني | ١ | (٨) ١٧٠ |
| حوّاءُ | البسيط | علي بن أبي طالب القيرواني | ٤ | (٦) ٣٤٤، (٨) ٣١٥ |
| أعدائي | الكامل | - | ١ | (١) ٤٢٠ |
| الأحشاءِ | الكامل | - | ١ | (٣) ٥٢١ |
| أسمائي | السريع | - | ١ | (٣) ٥٣٩، (٥) ٤٧ |
| الفناءِ | الوافر | علي بن الجهم | ١ | (٢) ٤٧٨ |
| | | **قافية الباء** | | |
| تسحبُ | السريع | - | ١ | (٤) ٣٤ |
| يتذبذبُ | الطويل | النابغة الجعدي | ١ | (١) ٢٩٢ |
| يتذبذبُ | الطويل | النابغة | ٢ | (١) ٢٢٢، (٢) ١٧٠، (٧) ٣١٦ |
| أقربُ | السريع | - | ١ | (٤) ٣٤ |
| كوكبُ | الطويل | النابغة | ١ | (٣) ٢٧٧ |
| زينبُ | السريع | - | ١ | (٤) ٣٤ |

## قافية التاء



## قافية الجيم



## قافية الحاء

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| **قافية الدال** | | | | |
| العددْ | المتقارب | - | ١ | (٤) ٢١٧، ٢٢٢ |
| السيادَهْ | الوافر | - | ٢ | (٧) ٢٠٥ |
| بُعْدا | الطويل | - | ١ | (٣) ١٥١ |
| رغدا | الطويل | - | ١ | (١) ٤٨٦ |
| وهدَى | الطويل | - | ١ | (٨) ٣٢ |
| واحدُ | الطويل | - | ١ | (٢) ٢١٢ |
| واحدُ | المتقارب | أبو العتاهية | ١ | (١) ٢٨٠، ٤١٠، (٢) ١٢٣، ١٣٨، ٣٧٨، (٣) ٤٣٦، (٥) ٩٩، (٧) ١٦١، (٨) ١٥ |
| الأزندُ | الكامل | - | ١ | (٦) ١٤٣ |
| يصيدُ | الوافر | - | ١ | (٤) ٤٣٤ |
| الفسادِ | الوافر | - | ٦ | (٨) ٣٤٤ |
| مقتدِ | الطويل | - | ٢ | (٣) ٥٤٣ |
| ماجدِ | الطويل | - | ١ | (٨) ١٢٦ |
| واحدِ | السريع | - | ١ | (٣) ٢٤، (٦) ٢٢٠، ٣٨٠، (٧) ١٢٢ |
| العددِ | البسيط | - | ١ | (١) ٤٥٤، (٧) ٥٥ |
| موعدي | الطويل | - | ١ | (٢) ١٩٦، ٢٣٢، (٤) ٦٠، ١٥٤، ٢٤٤، ٣٨٣، (٧) ٦٨، (٨) ٢٦٧ |
| فتزوّدِ | الطويل | - | ٣ | (٨) ٣٦٧ |
| الحديدِ | الوافر | - | ١ | (٨) ١٠٨ |
| **قافية الراء** | | | | |
| والسديرْ | مجزوء الكامل | - | ١ | (٤) ٢٦٠ |
| اليسيرْ | مجزوء الرمل | - | ٤ | (٨) ٣٤٣، ٣٤٤ |
| الجدارا | الوافر | - | ٢ | (١) ١٢٤ |
| مَرَّه | مجزوء الكامل | - | ٢ | (٣) ٤٧٢، (٨) ٣٨٣ |
| دارُ | البسيط | أبو إسحٰق الزوالي | ٢ | (١) ١٢٤ |
| شجرُ | البسيط | الحطيئة | ٣ | (٣) ٦٩ |
| يسرُ | المتقارب | السميسر | ٢ | (٨) ٣٨٣ |

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| الحشرُ | الطويل | - | ١ | (٣) ٥٥٥ |
| يضرُّه | مجزوء الرجز | - | ٤ | (٨) ٣٧٨ |
| عاقرُ | الطويل | - | ١ | (١) ٢٢٢، (٢) ٢١٩ |
| ذكرُ | السريع | الحلاج | ١ | (٣) ٥٠٥، ٥٤٢، (٧) ٢١١ |
| الأمرُ | الكامل | - | ٢ | (١) ١٠٤، (٥) ٣١٨، ٤٢٨ |
| السرورُ | الخفيف | - | ١ | (٣) ٩٣ |
| توتيرُ | الكامل | - | ٢ | (١) ٤٢٠ |
| تقديرُ | الكامل | أبو العتاهية | ٨ | (٨) ٣٤٣ |
| تطيرُ | الطويل | - | ١ | (٢) ١٢٥ |
| تطيرُ | الوافر | - | ٢ | (٤) ٣٦١ |
| الديارِ | الوافر | - | ١ | (٣) ٥٠٩، (٦) ١٤٥ |
| بنهارِ | الكامل | - | ١ | (٣) ٣٣، (٥) ٨٢ |
| بنهاري | الكامل | - | ١ | (١) ٣٦٢ |
| تدري | مجزوء الرمل | جارية | ٣ | (٣) ٥٢٣ |
| الجزرِ | الكامل | - | ٢ | (١) ٢٢٢ |
| القِصَرِ | البسيط | - | ١ | (٣) ٢٧٦، ٥٣٩ |
| يفري | الكامل | - | ١ | (٤) ٨٩، (٦) ٦ |
| مقرٌّ | الوافر | - | ٢ | (٨) ٣٦٢ |
| بالصخورِ | الوافر | - | ٧ | (٨) ٣٦٦ |
| المديرِ | مخلع البسيط | - | ١ | (٤) ٢٦١ |

## قافية السين

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| حرّاسُ | البسيط | أبو حازم الأعرج | ٢ | (٨) ٣٦٧ |
| والنبراسِ | الكامل | - | ١ | (١) ١٦٢ |

## قافية الشين

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| عاشا | البسيط | - | ٣ | (٣) ٥٢٢ |

## قافية الضاد

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| يُقْضَى | الطويل | - | ٥ | (٨) ٣٤٤ |
| الأرضِ | السريع | - | ١ | (٢) ٣٠٢، (٤) ٣٦٦ |
| عوضِ | البسيط | - | ١ | (٨) ٢٥١ |

## قافية العين

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| والجزعْ | الرمل | - | ٢ | (٣) ٩٠ |

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| وأوجعا | الكامل | - | ٢ | (٣) ٥٢١ |
| سامعُ | الطويل | - | ٢ | (٨) ٣٧٧ |
| صانعُ | الطويل | - | ١ | (٨) ٢٧٤ |
| بديعُ | الكامل | - | ٢ | (٣) ٥٣٠ |
| أضلعي | السريع | - | ٣ | (٤) ٤٣٣ |
| معي | الطويل | - | ٢ | (١) ٢٧٢، (٣) ٤٨٨ |
| شفيعِ | الكامل | - | ١ | (٤) ٤٨١ |

## قافية القاف

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| وأتّقى | المجتث | علي بن أبي طالب | ١ | (٢) ٥٨، (٨) ٢٦٥ |
| الفراقِ | الوافر | - | ١ | (٣) ٥٠٩، ٥٤٥ |
| صديقِ | الطويل | - | ١ | (١) ١٦١، (٥) ٣٥١، (٨) ٣٧٢ |

## قافية الكاف

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| لذاكْ | المتقارب | رابعة العدوية | ٤ | (٣) ٥٣٨ |
| تباكَى | الوافر | - | ١ | (١) ٤٢٣ |
| أتاكا | الخفيف | جارية عتاب الكاتب | ٤ | (٣) ٥٣٨ |
| هنالكا | الطويل | ابن الرومي | ٢ | (١) ٣٨٦ |
| يأتيكا | مجزوء الوافر | بهلول المجنون | ٣ | (٨) ٣٦٧ |

## قافية اللام

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| النفلْ | الطويل | أعرابي | ٣ | (٨) ٢٦٤ |
| الأملْ | مجزوء الرجز | - | ٣ | (٨) ٣٠١ |
| أجملْ | مجزوء الرمل | - | ١ | (٤) ١٩٢ |
| مستحيلْ | السريع | بوزيد عبد الرحمن الفازازي | ١ | (٢) ٤ |
| حالا | الخفيف | بعض الملوك | ٥ | (٣) ٢٩ |
| زالا | السريع | - | ١ | (٣) ١٩٩ |
| زلزالَها | المتقارب | - | ٨ | (٨) ٣٤٤ |
| بلالا | الوافر | - | ١ | (٤) ٦٥ |
| أذيالَها | المتقارب | أبو العتاهية | ٣ | (٣) ٤٦٢ |
| يتقلّى | الخفيف | - | ١ | (٣) ٢٤ |
| محمولا | الكامل | أبو المتوكل | ١ | (٢) ٢٢٠ |

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| قتيلا | الوافر | - | ٤ | (٨) ٣٣٧ |
| جزيلا | الخفيف | - | ٦ | (٣) ٥٢٠ |
| خليلا | الخفيف | - | ١ | (٣) ٣٤، ٥٤٢، (٨) ١٧٤ |
| دليلا | الكامل | - | ١ | (٥) ٤١٨ |
| فاسألوا | الكامل | رجل من بني عجل | ٣٩ | (٢) ٥٥٦ ـ ٥٥٨ |
| الأجلُ | الخفيف | - | ٣ | (٨) ٣٦٦ |
| ومنازلُه | الطويل | - | ٢ | (٨) ٣٧٨ |
| فضولُه | الطويل | أبو العتاهية | ٧ | (٨) ٣٤٣ |
| وصالِ | الكامل | ذو النون | ١ | (٣) ٥٢٢ |
| مقالِ | الكامل | - | ١ | (٨) ٢٩١ |
| المقالِ | الوافر | - | ٢ | (٣) ١٦٦ |
| إجلالِ | البسيط | - | ١ | (١) ٢٠٠، (٣) ٢٠، ١٥٧، (٧) ٣٥٤ |
| إجلالِه | مجزوء الكامل | - | ٢ | (٣) ١٥٧، ٣٥٤ |
| الراحلِ | السريع | إبراهيم بن مسعود الألبيري | ١ | (١) ١٧٥ |
| بمأسلِ | الطويل | امرؤ القيس | ١ | (٣) ٥٤٤ |
| تنسلِ | الطويل | امرؤ القيس | ١ | (١) ٤٩٩، (٢) ١٠ |
| مدلّلِ | الطويل | - | ٢ | (٨) ٣٨٣ |

## قافية الميم

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| حرامْ | مجزوء الكامل | الجرهمي | ٣ | (٨) ٣٤٢ |
| القويمْ | المجتث | ابن السيد البطليوسي | ٥ | (٨) ٨٥ |
| ختامَه | الطويل | - | ١ | (٣) ١١٠ |
| إليكما | الكامل | - | ٢ | (١) ٤٧٠ |
| المتوهَّمَه | مجزوء الكامل | - | ١ | (٣) ٥٠٨ |
| ختامُه | الطويل | - | ١ | (٤) ٢٧٤ |
| الخدّامُ | الخفيف | مسكينة الطفاوية | ٢ | (٨) ٣٧٩ |
| ونظامُه | الطويل | ابن العريف | ١ | (٦) ٢٧٩ |
| ينامُ | الكامل | - | ١ | (٣) ٥٢٦ |
| حالمُ | الطويل | - | ٣ | (٨) ٣٦٥ |
| يظلمُ | الكامل | - | ١ | (٥) ٣٥٢ |
| يتكلّمُ | الطويل | - | ١ | (٣) ٧٠ |

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| الكليمُ | الوافر | - | ١ | (١) ١٦٧، (٣) ٢١١، (٥) ٢٨٩، ٤٢٤، (٦) ٢١٤، (٨) ١٤٧ |
| للأنامِ | الخفيف | امرأة | ١ | (٣) ٥٢٢ |
| لهدمِ | الطويل | زهير بن أبي سلمى | ١ | (٨) ٨٥ |
| سقيمِ | المجتث | صاحب محاسن المجالس | ٢ | (٤) ٣٦٤، (٧) ٢٢٣، ٢٨٦ |
| سقيمِ | المضارع | - | ٢ | (٣) ١١٠ |

## قافية النون

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| إلاّ أنا | السريع | ابن العريف | ١ | (٣) ٢١٤ |
| وركبانا | البسيط | - | ١ | (١) ٣٠٢ |
| أحيانا | البسيط | - | ١ | (٣) ٣٢، ٤٨٥ |
| نسيانا | الكامل | - | ١ | (٨) ٣٢٠ |
| الوثنا | البسيط | الرضيّ أو زين العابدين | ٢ | (١) ٥٦، ٣٠٣ |
| ضامنا | الطويل | - | ١ | (٢) ٢١٢ |
| وَنَا | السريع | - | ٣ | (٣) ٤٩، ٥٠ |
| آمينا | البسيط | - | ١ | (٣) ١٥١ |
| لمعانُه | الكامل | - | ٤ | (٨) ٣٨٢ |
| والوطنُ | البسيط | - | ٢ | (٨) ٣٤٢ |
| عيونُ | مخلع البسيط | - | ١ | (٦) ٢٥٤ |
| يراني | مخلع البسيط | - | ١ | (٣) ٥٤٣ |
| يراني | مخلع البسيط | أبو العتاهية | ١٠ | (٨) ٣٣٩ |
| سكرانِ | الكامل | - | ١ | (٤) ٢٦١ |
| مكانِ | الكامل | هارون الرشيد | ١ | (٣) ٤٩٤ |
| مكانِ | الكامل | هارون الرشيد | ٣ | (٣) ١٦٩، (٧) ٥٤ |
| رماني | الوافر | - | ١ | (٣) ٥٤٣، (٤) ٣٧٠، (٨) ١١٩ |
| فعدناني | البسيط | - | ١ | (١) ١٥٠، (٨) ١٦١ |
| تُثني | الطويل | - | ١ | (٥) ١٩٧، (٦) ٢٨٩ |
| فاختبرني | مخلع البسيط | سمنون | ١ | (٣) ٣١٣ |
| يأتيني | البسيط | - | ٢ | (٨) ٣٧٨ |
| بالدينِ | البسيط | - | ٢ | (٨) ٣٦٦ |

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| باليمينِ | الوافر | - | ١ | (١) ١٥٠، ٤٠٦، (٤) ١٧٢ |

## قافية الهاء

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| مأواها | الكامل | عنترة بن شداد | ١ | (١) ٢٢٢ |
| يعانيها | البسيط | - | ١ | (٢) ٤٤٣، (٦) ٢٨٢، (٧) ٤١٢ |
| معانيهِ | الهزج | - | ٢ | (٤) ٣٢٧ |

## قافية الياء

| القافية | البحر | الشاعر | عدد الأبيات | الجزء والصفحة |
|---|---|---|---|---|
| بشَيّ | مجزوء المديد | - | ١ | (٢) ٧٣ |
| بواكيا | الطويل | - | ١ | (٢) ٦٠ |
| الحيُّ | الطويل | - | ٢ | (٢) ٢٩٣ |

# ب ـ الرجز

| الرجز | الراجز | الجزء والصفحة |
|---|---|---|
| **قافية الراء** | | |
| سوف ترى إذا انجلى الغبارُ | ـ | (١) ٤٢٢، (٧) ١٥٦ |
| أفرسٌ تحتك أم حمارُ | ـ | (١) ٤٢٢، (٧) ١٥٦ |
| **قافية السين** | | |
| إما نعيمها وإما بوسَها | كهمس | (٨) ١٧٤ |
| البس لكلّ حالة لبوسَها | كهمس | (٨) ١٧٤ |
| **قافية القاف** | | |
| هل تُذهبين القُرّ بالربيقَهْ | ـ | (٤) ٣٣٤ |
| يا عجبًا لهذه الغليقَهْ | ـ | (٤) ٣٣٤ |
| قد استوى بشر على العراقِ | ـ | (١) ١٥٢، (٢) ٤٤٣، (٦) ٣٥٠ |
| من غير سيف ودم مهراقِ | ـ | (١) ١٥٢، (٢) ٤٤٣، (٦) ٣٥٠ |
| **قافية اللام** | | |
| لا عار بالموت إذا حُمّ الأجلْ | ـ | (٨) ١٠ |
| حتّى دنا منه الأجلْ | ـ | (٨) ٣٦٦ |
| نحن بنو الموت إذا الموت نزلْ | ـ | (٨) ١٠ |
| الموت أحلى عندنا من العسلْ | ـ | (٤) ٣٩٨، (٨) ٩ |
| يا من بدنياه اشتغلْ | ـ | (٨) ٣٦٦ |
| وغرّه طول الأملْ | ـ | (٨) ٣٦٦ |
| والقبر صندوق العملْ | ـ | (٨) ٣٦٦ |
| نحن بني ضبّة إذْ جدّ الوَهَلْ | ـ | (٤) ٣٩٨، (٨) ٩ |
| والموت أدنى من شراك نعلِهِ | بلال | (٢) ٢٥٠ |
| كلّ امرىء مصبّح في أهلِهِ | بلال | (٢) ٢٥٠ |

| الرجز | الراجز | الجزء والصفحة |
| --- | --- | --- |
| **قافية الميم** | | |
| أراد أن يعربه فأَعْجَمَهْ | - | (٥) ١٢٣ |
| **قافية النون** | | |
| واللّه لولا اللّه ما اهتدينا | - | (٢) ٤٤ |
| ولا تصدّقنا ولا صلّينا | - | (٢) ٤٤ |

# ٧ ـ فهرس الأعلام

## (ب)

## (ح)

## (خ)

## (ش)

## (ص)

(غ)



(ف)

## (ق)

# ٨ ـ فهرس الأماكن والبلدان

**(ت)**

# ٩ ـ فهرس الكتب والمصنَّفات

# ١٠ ـ معجم مفهرس لأبواب الكتاب

## حرف الألف

### (أ ب د)



### (أ ب و)



### (أ ث ر)



### (أ ج ر)



### (أ ج ل)



### (أ خ ر)



### (أ خ و)

## (أ د ب)



## (أ د م)



## (أ ر ض)



## (أ ص ل)



## (أ ل ف)



## (أ ل هـ)

## (أ ل ي)



## (أ م ر)



## (أ م م)



## (أ م ن)

## حرف الباء

(ب ط ن)



(ب ع ث)



(ب ع د)



(ب ق ي)



(ب ك ي)



(ب ل و)



(ب هـ ت)



(ب هـ ل)



(ب هـ م)

(ب و ب)



(ب ي ع)



## حرف التاء

(ت ل و)



(ت و ب)



## حرف الثاء

(ث ب ت)



(ث ن و)



(ث ن ي)



## حرف الجيم

(ج ب ر)

(ج م د)



(ج م ع)



(ج م ل)



(ج ن ح)



(ج ن ن)



(ج هـ د)



(ج هـ ل)



(ج هـ ن م)

(ج و ب)



(ج و د)



(ج و ع)



## حرف الحاء

(ح ب ب)



(ح ب ل)



(ح ج ب)



(ح ج ج)

## (ح ل ل)



## (ح ل م)



## (ح ل ي)



## (ح م د)

(د ن و)



(د هـ ر)



(د و ر)



(د ي ن)



## حرف الذال

(ذ ك ر)



(ذ ل ل)



(ذ هـ ب)

(ذ و ق)



## حرف الراء

(ر أ ف)



(ر أ ي)



(ر ب ب)



(ر ج ل)



(ر ج و)



(ر ح م)

(ر ف ق)



(ر ق ب)



(ر ق ي)



(ر ك ب)



(ر ك ن)



(ر م ز)



(ر هـ ب)



(ر و ح)

## (ر و د)



## (ر و ض)



## (ر و ي)



# حرف الزاي

## (ز ع ج)



## (ز ك و)



## (ز م ن)

(س و ر)



(س و ق)



(س و ي)



(س ي ل)



## حرف الشين

(ش ب هـ)



(ش د د)



(ش ر ب)



(ش ر ع)

## حرف الصاد

### (ص ب ر)



### (ص ح ب)



### (ص ح و)



### (ص د ر)



### (ص د ق)



### (ص غ ر)



### (ص ف ف)

## حرف الضاد

### (ض ر ر)



### (ض م م)



### (ض ن ن)



### (ض هـ ي)



## حرف الطاء

### (ط ب ع)



### (ط ر ب)



### (ط ر ق)



### (ط ل س م)



### (ط ل ع)

## حرف العين

### (ع ب د)



### (ع ب ر)



### (ع ج ز)



### (ع ج م)



### (ع د د)



### (ع د ل)



### (ع د م)



### (ع د و)

## (ع ل و)

## (ع م ر)



## (ع م ل)



## (ع ن د)



## (ع ن ي)



## (ع هـ د)



## (ع و د)

## (ع وض)



## (ع ي س)



## (ع ي ن)



# حرف الغين

## (غ ب ط)



## (غ ر ب)

## (غ ي ر)



# حرف الفاء

## (ف أ د)



## (ف ت ح)



## (ف ت ر)



## (ف ت ن)



## (ف ت و)

(ق ب ل)



(ق د ر)



(ق د س)



(ق د م)



(ق ر أ)



(ق ر ب)



(ق ر ر)



(ق ر ع)

## (ق ل ب)

## (ق و ي)



# حرف الكاف

## (ك ب ر)



## (ك ت ب)

**(ك ت م)**



**(ك ذ ب)**



**(ك ر م)**



**(ك ش ف)**



**(ك ف ر)**

## حرف اللام

### (ل أ ل)



### (ل ذ ذ)



### (ل ط ف)



### (ل ق ي)



### (ل م ع)



### (ل هـ م)



### (ل و ح)

(ل و م)



(ل و ن)



(ل و ي)



(ل ي ل)



## حرف الميم

(م ت ن)



(م ج د)



(م ح ق)



(م ح و)



(م د د)



(م ر ج)

### (م و س)



### (م و هـ)



## حرف النون

### (ن ب أ)



### (ن ب ت)

## (ن ج و)



## (ن ز ع)



## (ن ز ل)

(ن س و)



(ن ش أ)



(ن ش ر)



(ن ص ر)



(ن ص ف)



(ن ط ق)



(ن ظ ر)



(ن ع م)



(ن ف س)

(و س ع)



(و س م)



(و ص ف)



(و ص ل)



(و ص ي)



(و ض ع)



(و ع ظ)

(و ل د)



(و ل ي)



(و هـ ب)



## حرف الياء

(ي ق ن)

**تمّت الفهارس بعونه تعالى**

# فهرس المحتويات

## ١ ـ فهرس الآيات القرآنية

## ٢ ـ فهرس الأحاديث القولية

## ٣ ـ فهرس الأحاديث الفعلية



## ٤ ـ فهرس الأحاديث القدسية



## ٥ ـ فهرس الأشعار للمؤلِّف

### القــوافي

## مجزوء الرجز



## الأرجـاز



## ٦ ـ فهرس الأشعار التي استشهد بها المؤلِّف

## الشــعر

## الرجــز



## ٧ ـ فهرس الأعلام



## ٨ ـ فهرس الأماكن والبلدان



## ٩ ـ فهرس الكتب والمصنَّفات

## ١٠ ـ معجم مفهرس لأبواب الكتاب